राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 15 अप्रैल 2024 वर्ष-7,अंक-81 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

29 जून से शुरू होगी अमरनाथ यात्रा

नई दिल्ली। श्राइन बोर्ड ने रविवार को घोषणा की है कि 29 जून से अमरनाथ यात्रा शुरू होगी। यह यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी। बोर्ड ने कहा कि 52 दिनों तक चलने वाली यात्रा के लिए अग्रिम पंजीकरण 15 अप्रैल को खोला जाएगा।

2 बच्चों समेत 7 लोग जिंदा जले

फतेहपुर। चूरू-सालासर हाईवे पर तेज रफ्तार कार ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद कार और ट्रक में आग लग गई। आग से कार सवार दो बच्चों समेत 7 लोग जिंदा जल गए। हादसा सीकर के फतेहपुर में रविवार दोपहर 2:30 बजे हुआ। कार में गैस किट लगा हुआ था और ट्रक में मेडिकल कॉटन(रूई) भरी हुई थी। मरने वालों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस के मुताबिक मरने वालों में दो बच्चे, तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। हादसा आशीर्वाद पुलिया पर चढ़ते ही 200 मीटर पर हुआ। आगे चलते ट्रक से कार पीछे से टकराई। कार यूपी नंबर की बताई जा रही है।

सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग

मुंबई । सलमान खान के बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट के सामने रविवार सुबह 5 बजे फायरिंग की गई। 2 बाइक सवारों ने 4 राउंड फायर किए। जिस वक्त फायरिंग हुई, उस वक्त सलमान अपने घर में ही थे। इस घटना के बाद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने सलमान खान से फोन पर बात की। शिंदे ने मुंबई पुलिस कमिश्नर से भी बात करते हुए सलमान की सिक्योरिटी बढ़ाने के लिए कहा है। सलमान के घर के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खान को लॉरेंस बिश्नोई-गोल्डी बराड़ गैंग ने जान से मारने की धमकी दी थी।

गुजरात कांग्रेस प्रमुख शक्तिसिंह ने भाजपा के घोषणा पत्र को जुमला पत्र बताया

अहमदाबाद । भाजपा ने आज लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। जिसमें समान नागरिक संहिता लागू करने, देश के 80 करोड़ लोगों के लिए मुफ्त राशन योजना जारी रखने और गरीबों के लिए 3 करोड़ नए घर बनाने समेत कई वादे किए गए हैं. भाजपा के इस चुनावी घोषणा पत्र को लेकर कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने भाजपा पर हमला बोला है। शक्ति सिंह ने कहा कि भाजपा ने घोषणा पत्र पर एक तरफा बात कही है। 1 घंटा 40 मिनट के घोषणा पत्र में भाजपा ने किसी भी पत्रकार को एक भी सवाल पूछने की इजाजत नहीं दी। भाजपा ने घोषणा पत्र के नाम पर सिर्फ एक जूमला लेटर जारी किया है। भाजपा ने पिछले चुनाव में काला धन वापस लाने और सभी लोगों को 15 लाख रुपये देने का वादा किया था। हालांकि, भाजपा ने 10 साल में अपना एक भी वादा पूरा नहीं किया। चीन ने भारत में आकर स्मार्ट सिटी बनाई, लेकिन घोषणापत्र में चीन के इस कदम का कोई जिक्र नहीं है। शक्तिसिंह ने कहा कि पहले घोषणा पत्र में क्या वादा किया गया और क्या किया गया इसका उल्लेख करने की परंपरा थी, लेकिन भाजपा सरकार ने इस परंपरा को तोड़ने का काम किया है। भाजपा ने पहले 30 लाख पद भरने का वादा किया था। भाजपा ने फिर वादा किया है कि अब यह पद भरा जाएगा। इसके अलावा शक्ति सिंह गोहिल ने कांग्रेस के घोषणापत्र पर बोलते हुए कहा कि कांग्रेस जो कहती है, वो करके दिखाती है। इसीलिए राहुल गांधी ने देश के हर नागरिक से पूछा कि आप क्या चाहते हैं? ऐसे में लोगों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में 5 न्याय की बात कही है।

राजस्थान में बदला मौसम, आंधी बारिश से लोग हुए परेशान

- मौसम विभाग ने किया अलर्ट आज भी हो सकती है भारी बारिश

जयपुर। लोकसभा चुनाव में जैसे नेता पार्टी बदल रहे हैं वैसे ही राजस्थान के मौसम ने भी अपने रुख में बदलाव किया और आंधी-तूफान और बारिश ने लोगों को अस्त-व्यस्त कर दिया है। जयपुर समेत प्रदेश के विभिन्न इलाकों में आई आंधी और बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी है। बीकानेर में शनिवार शाम को जोरदार बारिश से तापमान में 9.2 डिग्री की गिरावट आई। मौसम विभाग के मुताबिक यह बदलाव अभी जारी रहेगा। आज भी राजस्थान के 28 जिलों में आंधी तूफान का येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी जयपुर में शनिवार को दोपहर बाद मौसम ने ली। शाम को आई तेज आंधी से चारों ओर धूल का गुबार फैल गया। इससे लोगों का सड़कों पर वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राजधानी के कई इलाकों में भी हल्की बारिश हुई। इससे तापमान में खासी गिरावट आई। रात को मौसम सुहावना हो गया। वहीं बीकानेर में हुई तेज बारिश ने पूरे शहर तरबतर कर दिया। सड़कों पर पानी भर गया। लोगों को बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद शहर का मौसम सुहाना हो गया और तापमान में गिरावट आई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को बीकानेर के तापमान में खासी गिरावट आई। वहां तापमान 30 से 33 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। यह सामान्य से काफी कम रहा। वहीं जयपुर, अजमेर, कोटा और जोधपुर संभाग में भी तापमान सामान्य 36 से 39 डिग्री सेल्सियस रहा। उदयपुर संभाग में भी तापमान सामान्य से नीचे रहा।

प्रधानमंत्री मोदी ने जारी किया भाजपा का घोषणा पत्र

नाम दिया संकल्प

- देश में न्याय संहिता लागू करने और 'वन नेशन वन इलेक्शन' का वादा

नई दिल्ली।

भाजपा ने आज अपना घोषणा पत्र घोषित कर दिया है। यह घोषणा पत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जारी किया। इस घोषणा पत्र को संकल्प नाम दिया गया है। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में सत्ता में वापसी होने पर देश में न्याय संहिता लागू करने के दावे के साथ ही 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर काम जारी होने की भी बात कही गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा का घोषणा पत्र जारी किया। इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मौजूद थे। इसको संकले प पत्र का नाम दिया गया है। इसमें कई तरह के वादे किए गए हैं। इससे पहले पीएम मोदी ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद अपने सोशल मीडिया एकाउंट 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा- बाबा साहेब की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि। जय भीम इस पोस्ट के साथ प्रधानमंत्री ने कई कार्यक्रमों में बाबा साहेब आंबेडकर पर दिए अपने भाषणों पर आधारित एक वीडियो भी साझा किया है।

भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में किसानों, युवा और महिलाओं आदि के कल्याण के लिए कार्यक्रम चलाने की बात कही है। मछुआरों के लिए बीमा की सुविधा और मोटे अनाज को सुपरफूड के तौर पर विकसित करने, एकलव्य स्कूल खोलने के साथ ही एससी/एसटी और ओबीसी के कल्याण के लिए काम करने का भी वादा किया गया है। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र के नाम से जारी घोषणा पत्र में रामायण उत्सव मनाने, अयोध्या का और विकास, भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई आदि का वादा किया है। भाजपा ने सत्ता में वापसी होने पर देश में न्याय संहिता को लागू करने का वादा किया है। साथ ही 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर काम जारी होने की भी बात कही गई है। घोषणा पत्र में रेलवे में ट्रेनों में वेटिंग लिस्ट की समस्या को समाप्त किया जाएगा। साथ ही नार्थ ईस्ट में बुलेट ट्रेन पर काम चलने की भी बात कही गई है। 5जी विस्तार और 6जी का विकास, उर्जा में आत्मनिर्भर बनने का भी वादा किया गया है।

भाजपा का घोषणा पत्र जारी होने से पहले भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने पार्टी मुख्यालय में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि साल 2014 में जब प्रधानमंत्री मोदी संसदीय दल के नेता चुने गए थे, तब उन्होंने कहा था कि हमारी सरकार गरीब, गांव और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को समर्पित है। उन्होंने आगे कहा कि उसी को कार्यरूप देते हुए पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश ने इन सारे आयामों को आगे बढ़ाने का काम किया है। नड्डा ने बताया कि 60 हजार नए गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया गया है और बारहमासी सड़कें बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि हमने कभी नहीं सोचा था कि गांव सशक्त होंगे या ऑप्टिकल फाइबर गांव तक पहुंचेगा, लेकिन नड्डा ने कहा कि आज मुझे खुशी है कि 1.2 लाख पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा गया है और उन्हें इंटरनेट सुविधाओं से भी जोड़ा गया है। भाजपा अध्यक्ष ने बताया कि भारत की 25 करोड़ आबादी अब गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुकी है। उन्होंने आईएमएफ की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार भारत में अत्यधिक गरीबी अब 1 फीसदी से भी कम रह गई है।

छत्तीसगढ़ में शाह बोले

3 साल में खत्म कर देंगे नक्सलवाद

राजनांदगांव ।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस सिर्फ झूठ का व्यापार करती है। उन्होंने पूर्व सीएम और राजनांदगांव से कांग्रेस प्रत्याशी भूपेश बघेल पर भी निशाना साधा। शाह ने कहा कि, भूपेश कका इतना सारा भ्रष्टाचार करके पेट नहीं भरा है अभी भी यहां से सांसद बनना चाहते हैं। शाह ने कहा कि, मैं आज राजनांदगांव की जनता को कहने आया हूं कि आप लोगों ने भूपेश बघेल को विधानसभा में हराया है, इससे भी बड़े मार्जिन के साथ इनको फिर से घर पर भेजने का काम करिए। केंद्रीय गृहमंत्री रविवार को खैरागढ़ में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

भाजपा प्रत्याशी और सांसद संतोष पांडेय के पक्ष में प्रचार करते करने पहुंचे अमित शाह ने कहा कि, आप तीसरी बार मोदी जी को प्रधानमंत्री बनाइए, छत्तीसगढ़ में 3 साल में नक्सलवाद खत्म कर देंगे। लोकसभा चुनाव में राजनांदगांव छत्तीसगढ़ की हाई प्रोफाइल सीट मानी जा रही है। यहां दूसरे चरण में 26 अप्रैल को वोटिंग होगी।

ऐसा बटन दबाएं कि करंट इटली तक जाए

शह ने कहा कि खैरागढ़ की जनता इस बार बीजेपी को जिताने के लिए कमल के निशान पर ऐसा बटन दबाएं कि करंट इटली तक जाए। संतोष पांडे को जिताएंगे फिर से एक बार मोदी सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि सोनिया मनमोहन की सरकार में पाकिस्तान से आकर आलिया, जमालिया यहां बम धमाके करते थे। मोदीजी ने देश को आतंकवाद से बचाने का

काम किया। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक पाकिस्तान पर बीजेपी की सरकार में हुआ।

वन नेशन, वन इलेक्शन जमीन पर लाएंगे

अमित शाह ने कहा कि, पूरे भारत में विधानसभा और लोकसभा के चुनाव एक साथ कराए जाएंगे। वन नेशन, वन इलेक्शन को बीजेपी जमीन पर लाएगी। बुजुर्गों का 5 लाख तक का इलाज फ्री में होगा। सस्ता गैस, मुफ्त इलाज और 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का काम हम करेंगे। शाह ने कहा मैं आज राम के ननिहाल में आया हूं। आप बताइए राम मंदिर बनना चाहिए था या नहीं? आप लोगों ने मोदीजी को दूसरी बार पीएम बनाया। हमने राम मंदिर बनाने के लिए केस भी जीता भूमिपूजन भी किया और मंदिर भी बनवाया। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई है। कांग्रेस ने इस मुद्दे को सालों से लटकाया और भटकाया था। रामनवमी आ रही है पहली बार रामलला अपने मंदिर में बर्थडे मनाएंगे।

ग्रीष्मावकाश में गांव जाने वाले यात्रियों को भीड़ से मिलेगी राहत, सूरत की मिली 6 नई ट्रेनें

सूरत । दक्षिण गुजरात के सूरत से उत्तर प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों में जानेवाले प्रवासी लोगों के लिए 6 नई ट्रेनें शुरू की गई हैं। जिससे यात्रियों को भीड़ से बड़ी राहत मिलेगी। दरअसल गर्मी की छुट्टियाँ शुरू हो चुकी हैं। शहर के स्कूलों में गर्मी की छुट्टियों की घोषणा के साथ ही गांव जाने के लिए रेलवे स्टेशन और बस स्टेशन पर लोगों की भारी भीड़ देखी जा रही है। खासकर उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में जाने के लिए लोगों को रेलवे स्टेशन पर आए भारी भीड़ उमड़ रही है। ऐसे हालात आज सूरत के उधना रेलवे स्टेशन पर देखने को मिले। जहां उत्तर प्रदेश, बिहार समेत अन्य राज्यों में जाने के लिए संख्या से अधिक यात्री ट्रेन पर चढ़ गए और उसके बाद वहां अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोग बेहोश हो गए। जिन्हें रेलवे स्टेशन से 108 एम्बुलेंस सेवा द्वारा अस्पताल पहुंचाया गया। गुजरात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नवसारी लोकसभा सीट से उम्मीदवार सी आर पाटिल ने इस घटना को गंभीरता से लिया। घटना के बाद उन्होंने तुरंत अपने कार्यकर्ताओं को रेलवे स्टेशन पहुंचाया। वहीं उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से फोन पर बातचीत की और नई 6 ट्रेन शुरू करने का प्रस्ताव रखा। तब रेल मंत्री ने तुरंत यात्रा के लिए 6 नई ट्रेनें शुरू करने की अनुमति दे दी। यह नई 6 ट्रेन उत्तर प्रदेश और बिहार समेत अन्य राज्यों के लिए चलाई जाएंगी। इस घटना को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सी आर पाटिल ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की और मीडिया के माध्यम से यात्रियों से रेलवे स्टेशन पर सावधानी बरतने और जल्दबाजी न करने का अनुरोध किया।

वादे तो वादे रहे, बीजेपी ने विश्वसनीयता खोई : गहलोत

-भाजपा के संकल्प पत्र पर पूर्व सीएम का तंज

जयपुर।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर भाजपा ने आज संकल्प पत्र जारी कर दिया है। इसे लेकर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि वादे तो वादे हैं जो पूरे नहीं हुए हैं और अब बीजेपी ने विश्वसनीयता भी खो दी है। भाजपा को संकल्प पत्र के बहाने अपने निशाने पर ले रहे गहलोत ने कहा कि मुझे लगता है कि 2014 और 2019 में जो स्थितियां थीं अब वे बदल गई हैं। जो भी वादे भाजपा की ओर से किए गए थे वे वादे ही रह गए। ऐसे में भाजपा विश्वसनीयता खो चुकी है। गौरतलब है कि भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए आज रविवार को अपना संकल्प पत्र जारी किया है। इस चुनावी घोषणा पत्र को मोदी की गारंटी का नाम दिया गया है। जिस पर कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने बीजेपी पर निशाना साधा और कहा कि मुझे लग रहा है कि 2014 और 2019 में जो स्थितियां थीं, अब वे बदल गई हैं। जो भी वादे किए गए थे, वे वादे ही रह गए। ऐसे में भाजपा विश्वसनीयता खो चुकी है। उन्होंने कहा कि आखिर कब तक वे पीएम मोदी के नाम पर राजनीति करते रहेंगे, सत्ता का विकेंद्रीकरण पूरी तरह से ध्वस्त हो चुका है। पार्टी बेरोजगारी, मुद्रास्फीति, चुनावी बॉन्ड घोटाले पर कुछ भी नहीं बोल रही है।

- ट्रक चालक और सह चालक गिरफ्तार

ट्रक पर लदे 622 किलो गांजा को एनसीबी ने किया जब्त

- गांजा छिपाने बनाया गया तहखाना

औरंगाबाद ।

औरंगाबाद में मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जीटी रोड से ट्रक पर लदे बड़ी मात्रा में गांजा को पटना की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने पकड़ा है। एनसीबी की टीम ने ट्रक चालक और सहचालक को मौके से ही गिरफ्तार किया है। ट्रक से करीब 622 किलो गांजा जब्त किया गया है। अब पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। एनसीबी के अधिकारियो ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जीटी रोड से ट्रक पर लदे बड़ी मात्रा में गांजा को पटना की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने रविवार की रात पकड़ा है। ट्रक को जप्त कर मुफस्सिल थाने में लाया गया है। एनसीबी की इस कार्रवाई से जिला पुलिस की सूचना और लोकसभा चुनाव को लेकर मादक पदार्थ और शराब के खिलाफ की जा रही नियमित कार्रवाई पर अब सवाल भी उठ रहा है। चर्चा है कि एनसीबी की टीम को गांजा की सूचना मिल गई और पकड़ भी लिया, पर जिला पुलिस की टीम को कोई जानकारी नहीं मिली।

यह कार्रवाई एनसीबी की टीम ने की है, गांजा लदे ट्रक को कहां से पकड़ा गया है और किन लोगों को गिरफ्तार किया गया हैं। इस कार्रवाई के बारे में कोई विशेष जानकारी तहा पुलिस को नहीं है। सूत्रों के अनुसार पकड़े गए ट्रक चालक और सहचालक को एनसीबी की टीम अपने साथ पटना ले गई है।

डाले में बना था तहखाना

सूत्रों के अनुसार ट्रक पर लदे गांजे को ओडिशा से लाया जा रहा था। ट्रक पर प. बंगाल की नंबर प्लेट लगी हुई है। ट्रक के डाले में गांजे को छिपाने के लिए बाकायदा लोहे का एक तहखाना बनाया गया था जिसमें गांजे को छिपाकर रखा गया था।

राजस्थान में प्रियंका गांधी बोलीं

मोदीजी ने लॉटरी बेचने वालों और वैक्सीन बनाने वालों तक से पैसे लिए

जालोर। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी राजस्थान के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को राजस्थान के भीनमाल (जालोर) में प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को महंगाई और बेरोजगारी के मुद्दे पर जमकर घेरा। उन्होंने कहा कि मोदी जी भ्रष्टाचार और इमानदारी की बात करते हैं लेकिन उन्होंने लॉटरी बेचने वालों और वैक्सीन बनाने वालों तक से पैसे लिए हैं। पीएम मोदी आजकल बहकी-बहकी बातें कर रहे हैं। कभी गटर से गैस बनाते हैं, कभी बादल में मिसाइल छोड़ते हैं, कभी हवा में उड़ते हैं। उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि करना क्या है। इन बातों से आपके जीवन का क्या मतलब है, जो सबसे बड़ी समस्या महंगाई और बेरोजगारी है, उस पर कोई बात नहीं करता।उन्होंने कहा कि चुनाव का समय हिसाब लेने का होता है। राजस्थान में हो सकता है आपको गहलोत सरकार से थोड़ा गिला शिकवा हो, इसलिए आपने सरकार बदल दी। हालांकि इसके बाद क्या हुआ, आपने देखा जो स्कीमें कांग्रेस सरकार ने शुरू की थीं, उसे भाजपा सरकार ने बंद कर दिया है। कांग्रेस सरकार के समय जनता को 25 लाख की मुफ्त स्वास्थ्य सुविधाएं मिल रहीं थीं, जिसे भाजपा सरकार ने आते ही बंद कर दिया। आज राजस्थान की भाजपा सरकार जनता के हित में काम नहीं कर रही है। अब देश का चुनाव है, इसलिए आपको सोच समझ कर वोट करना होगा। आज चुनाव के वक्त देश में अजीब माहौल बन गया है, जनता के ध्यान के भटकाने वाली बातें हो रही हैं।

बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़ी समस्या

प्रियंका गांधी ने कहा कि आज देश में बेरोजगारी और महंगाई सबसे बड़ी समस्या है। मुझे लगता है कि पीएम मोदी को कुछ हो गया है, वो समझ नहीं पा रहे हैं। इनके अधिकारी पीएम को सच्चाई बताने से डर रहे हैं। ऐसा लगता है कि पीएम मोदी देश की जनता से कट चुके हैं। आज पिछले 45 सालों में महंगाई दर सबसे ज्यादा है और ये मोदी सरकार की देन है। मोदी सरकार को हमेशा ही चुनावों के वक्त सिलेंडर और पेट्रोल-डीजल की कीमतें याद आती हैं। आज ऐसे हालात हो चुके हैं कि बच्चों की पढ़ाई और शादी के लिए जमीन बेचनी पड़ रही है। खेती में इस्तेमाल होने वाले सामान महंगे हो चुके हैं। किसान आंदोलन पर प्रियंका गांधी ने कहा कि कड़ाके की ठंड में किसान सडक़ों पर बैठ रहे, लेकिन पीएम मोदी ने सुनवाई नहीं की। हालांकि जैसे ही यूपी के चुनाव नजदीक आए, सरकार ने काले कानूनों को वापस ले लिया।

मोदी सरकार की नीयत ठीक नहीं

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीयत ठीक नहीं है। इनकी नीतियां बड़े-बड़े अरबपतियों के लिए है। कुछ दिन पहले देश में एक अरबपति के यहां शादी हुई, लेकिन आपने कभी सोचा है कि इतना पैसा कहां से आ रहा है। पीएम मोदी ने 16 हजार करोड़ के इनके कर्ज माफ किए हैं, वहीं जो किसान कर्ज में डूब रहा है, उसके बारे में बात तक नहीं होती। आपको सिर्फ ये दिखाया जाता है कि देश आगे बढ़ रहा है, तरक्की हो रही है, सभी बहुत खुशहाल हैं, लेकिन ये सच्चाई नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

पर्यावरणीय जवाबदेही

यह जानते हुए भी कि प्रकृति के साथ इंसानी क्रूरता से उपजे ग्लोबल वार्मिंग संकट ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है, हमारी सरकारें इस गंभीर चुनौती के मुकाबले को लेकर उदासीन नजर आती हैं। आज दुनिया में हर साल करोड़ों लोगों को अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखे, बाढ़ व चक्रवातों की वजह से विस्थापन का दंश झेलना पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर खेतों में खाद्यान्न उत्पादकता में कमी आई है। साथ ही लाखों लोगों को अपने जीवन से हर साल हाथ धोना पड़ता है। लेकिन विकसित देशों द्वारा जलवायु परिवर्तन पर बड़े सम्मेलनों के आयोजन के अलावा इस संकट से निपटने के लिये युद्धस्तर पर कोई कोशिश होती नजर नहीं आती। सिर्फ जुबानी जमाखर्च के अलावा कोई ठोस पहल विकसित व विकासशील देशों के स्तर पर अब तक नहीं हुई है। यही वजह है कि जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभाव के प्रति सरकारी निष्क्रियता को चुनौती देने वाली स्विस वृद्ध महिलाओं द्वारा दायर याचिका पर यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला सरकारों की जवाबदेही तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऐतिहासिक आदेश इस बात पर बल देता है कि जलवायु परिवर्तन प्रभावों से सुरक्षा मांगना एक मौलिक मानव अधिकार है। निस्संदेह फैसला पूरे यूरोप के लिये एक नजीर होनी चाहिए। यह फैसला बताता है कि जलवायु संकट से निपटने की तत्काल जरूरत है। सरकारों को जलवायु अनुकूल नीतियों को लागू करने में दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी। साथ ही सरकारों को जवाबदेह बनाने वाले सार्वजनिक दबाव व नागरिक सक्रियता को गंभीरता से लेने की जरूरत है। निस्संदेह नागरिकों की जागरूकता को कमतर नहीं आंका जा सकता। जाहिर बात है कि यदि लाखों लोगों के जीवन की गुणवत्ता व प्रत्याशा को जलवायु संकट बुरी तरह प्रभावित कर रहा हो तो सरकारें कैसे उदासीन बनी रह सकती हैं। तमाम अध्ययनों से पता चला है कि जलवायु परिवर्तन से जहां हमारी खाद्य श्रृंखला खतरे में है, वहीं तमाम तरह के नये-नये घातक रोग सामने आ रहे हैं। जिनसे निपटने के लिये तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला पूरे विश्व के लिये मार्गदर्शक साबित हो सकता है। हाल ही में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक फैसले में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव से जीवन रक्षा को हमारे संविधान प्रदत्त मौलिक अधिकारों की श्रेणी में रखा था। कोर्ट ने माना था कि जलवायु परिवर्तन का असर सीधा जीवन के अधिकार पर पड़ता है। अदालत ने एक फैसले में कहा था कि जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों से बचने के लिये नागरिकों के अधिकारों की दृष्टि से स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय का फैसला यूरोपीय व अमेरिकी देशों की जलवायु नीतियों को भी नया आकार प्रदान करने में सहायक होगा। यह फैसला जलवायु परिवर्तन और मानवाधिकारों के अंतर्संबंध को प्रदर्शित करते हुए बताता है कि पर्यावरणीय संकट के कारण हाशिये पर आने वाले समुदायों को तत्काल संरक्षण प्रदान करने की जरूरत है। पर्यावरण के स्तर पर उत्पन्न प्रतिकूल परिस्थितियां समाज में हाशिये पर रहने वाले समाजों को असंगत रूप से प्रभावित करती हैं। साथ ही सामाजिक असमानता को बढ़ाती हैं। भारत के अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में जनजातियों के सामने भोजन व पानी का संकट पैदा हो रहा है।

आज का राशीफल

मेष शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी रिश्तेदार के आगमन से मन प्रसन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा।

वृषभ पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। खान-पान में संतुलन बना कर रखें। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

मिथुन दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। आय के नये स्त्रोत बनेंगे। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। धन लाभ होगा।

सिंह रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कन्या पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तुला आर्थिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी रिश्तेदार से तनाव मिल सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

वृश्चिक पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। अधीनस्थ कर्मचारी का सहयोग रहेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

धनु जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। फिजूलखर्ची से बचें अन्यथा कर्ज की स्थिति आ सकती है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धन हानि की संभावना है।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। खान पान में संयम रखें। स्वास्थ्य शिथिल रहेगा। आमोद प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी।

मीन पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

सस्ता हवाई सफर अब भी दूर का सपना

सुषमा रामचंद्रन

भारतीय हवाई यात्रा उद्योग कोविड-19 महामारी में बनी मंदी के बाद तेजी से पुनर्स्थापित हो रहा है, पिछले दो सालों में यात्रियों की संख्या में गुणात्मक बढ़ोतरी हुई है। इस पुन:प्राप्ति के दौरान दो बड़े प्रसंग भी घटे, एक है एयर इंडिया का निजीकरण और दूसरा, भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा 970 नए हवाई जहाजों का भारी क्रय-आदेश। हालांकि अनेकानेक रुकावटों की वजह से इस क्षेत्र की राह इतनी आसान भी नहीं रही। ऐसा एक प्रसंग है हाल ही में विस्तारा विमानन कंपनी को दरपेश पायलट संकट, यह कंपनी टाटा और सिंगापुर एयरलाइन का संयुक्त उपक्रम है। इससे उड़ानों की संख्या पर फर्क पड़ा और इसके ग्राहक अन्य कंपनियों का रुख करने लगे। हवाई यात्रा की मुश्किलों में आगे इजाफा हुआ, जब इंडिगो जैसी विमानन कंपनी को मरम्मत संबंधी कारणों से अपनी उड़ान संख्या घटानी पड़ी, तिस पर नए जहाजों की आमद भी धीमी है। उक्त प्रसंग पिछले साल गो फर्स्ट जैसी कम हवाई भाड़े वाली कंपनी को पेश आई समस्या के समांतर घटित हुए। प्रैट एंड व्हिटनी के बने इंजनों में आ रही समस्या के चलते गो-फर्स्ट को पहले आधी उड़ानें रद्द करनी पड़ी और अंतत: खुद को दिवालिया घोषित करने की अर्जी दाखिल करनी पड़ी। घरेलू विमानन उद्योग में उथल-पुथल वैश्विक विमानन क्षेत्र में मची खलबली की झलक है। जिसमें बोइंग कंपनी के उच्चतम स्तर का प्रशासक मंडल सुरक्षा संबंधी कमियों का हल निकालने में बेतरह उलझा पड़ा है। जनवरी माह में कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को इस्तीफा देना पड़ गया, जिसके पीछे मुख्य वजह रही अलास्का एयरलाइंस के मैक्स 737 विमान के दरवाजे का नियंत्रण पैनल खराब होना। जहां एक ओर कारणों की जांच अभी जारी है वहीं पूर्व में बोइंग के मैक्स 737 जहाज गिरने और कुछ हालिया घटनाओं के चलते, विमानों की सुरक्षा को लेकर बनी चिंताओं के कारण कंपनी को लगातार समस्याओं से जूझना पड़ रहा है। एयर इंडिया और अलास्का एयरलाइंस ने इस नामी विमान निर्माता कंपनी से कम-से-कम 400 नए हवाई जहाज खरीदने का करार किया है। बोइंग की मुश्किलों पर नजदीकी निगाहें लगी हैं क्योंकि सैकड़ों यात्रियों की जान को जोखिम वाले कारण की वजह से व्यावसायिक हवाई जहाजों में सुरक्षा को उच्चतम तरजीह देना सर्वोपरि होता है। टाटा के मामले में स्थिति और भी जटिल है, वह एयर इंडिया को समाहित करके एक संयुक्त कंपनी बनाने के भारी-भरकम काम में पहले से उलझी पड़ी है। विस्तारा, जिसे वर्तमान में उथल-पुथल का सामना करना पड़ा रहा है, उसे भी एयर इंडिया में शामिल कर लिया गया है, लेकिन यह करने पर इसके 'जटिल रुतबे' पर असर पड़ा, क्योंकि इसके अधिकांश ग्राहक बिजनेस क्लास में चलने वाले अमीर यात्री हैं। देश में किफायती हवाई सफर की मांग में भारी उछाल के बावजूद विस्तारा ने एक संपूर्ण-सेवा प्रदान करने वाली एयरलाइंस बने रहकर अपना एक अलग उच्च मुकाम कायम रखा था। अब कार्यरत स्टाफ को अन्यत्र स्थानांतरित करना पड़ेगा, वह भी वैकल्पिक वेतनमान और प्रदर्शन मानकों सहित। हालांकि यह रणनीति अब तक कारगर नहीं रही। हाल-फिलहाल, विस्तारा उड़ानों की संख्या में हेर-फेर से अपनी उड़ान-सारिणी पर पूर्ववत अमल करने की कोशिशें कर रही हैं लेकिन उसको अपने अमीर ग्राहकों पर आधारित यदि उच्च दर्जे वाला रुतबा कायम रखना है तो दीर्घकाल में एक अधिक व्यावहारिक नीति की जरूरत पड़ेगी। विमानन कंपनियों का विलय करने पर दरपेश तंत्रगत जटिलताएं तब भी देखने को मिली थीं जब वर्ष 2007 में दो सरकारी विमानन कंपनियों, एयर एंडिया और इंडियन एयरलाइंस, को मिलाकर कर एक संयुक्त इकाई बनाया गया था। वह निर्णय विशेष कारगर नहीं रहा। यह काम तत्कालीन नागरिक उड्डयन मंत्री प्रफुल्ल पटेल की अगुवाई में हुआ था, जिन पर बाद में बेमेल मुनाफा बनाने वाली कंपनियों को एक करने का इल्जाम लगा था। उन्होंने एक स्वस्थ और मुनाफादायक घरेलू विमानन कंपनी इंडियन यानी एयरलाइंस को बीमारू और घाटे में चलने वाली अंतर्राष्ट्रीय विमानन कंपनी एयर इंडिया के साथ मिलाकर, एक संयुक्त इकाई बना दिया। इस एकीकृत इकाई को एक दक्ष एवं मुनाफा-प्रदत्त कंपनी बनाने में असंख्य मुश्किलें पेश आईं। लेकिन एयर इंडिया-विस्तारा के विलय को इस पिछले प्रसंग की तरह लेना सही नहीं होगा और यह तुलना भी ठीक नहीं है। कंपनी पायलटों के फ्लाइट रोस्टर को लेकर बनी समस्याओं को सुलझाने में प्रयासरत है। उम्मीद करें कि इसका दीर्घकाल उद्देश्य होगा कि विस्तारा को एयर इंडिया के बैनर तले एक संपूर्ण सेवा प्रदाता बनाए रखा जाएगा, क्योंकि इससे ग्राहकों को चुनाव के लिए बृहद विकल्प मिल सकेंगे। जहां तक इंडिगो की बात है, यह विमानन कंपनी भारतीय नभ पर चहुंओर छायी हुई है। नागरिक उड्डयन क्षेत्र के विकास के लिए यह स्थिति सामान्य तौर पर और उपभोक्ता के लिए विशेष तौर पर चिंताजनक है। उड़ानों के मामले में अपनी सर्व-व्यापक उपस्थिति और पहुंच एवं यात्रियों की सबसे बड़ी संख्या पाकर, इसने सुनिश्चित किया कि किफायती एयरलाइन वाले मूल सिद्धांत से धीरे-धीरे परे हटा जाए। जहां इसकी फ्लाइटों में सीट चयन में अतिरिक्त शुल्क भरना पड़ता है वहीं केबिन में मिलने वाली खाने-पीने की वस्तुएं बहुत महंगी हैं। सीजन के मुताबिक किराए में तीखी वृद्धि, जैसा कि इस वक्त चल रहा है, और अतिरिक्त शुल्क चुकाने का मतलब है कि इसको अब इसको बजट एयरलाइंस कहना मुश्किल है। अपाहिज यात्री के साथ एयरलाइंस स्टाफ द्वारा की गई बदसलूकी जैसी खबरों से यात्रियों के संत्रास में अतिरिक्त वृद्धि होती है- हालांकि ऐसे प्रसंग केवल इस

सबसे बड़ी हवाई सेवा प्रदाता कंपनी तक सीमित नहीं हैं। विद्रूपता यह कि हवाई भाड़ा तय करने का सर्वाधिकार बाज़ार शक्तियों के हवाले करने के बावजूद यात्रियों के साथ मानवीय व्यवहार सुनिश्चित करवाने को नागरिक उड्डयन महानिदेशालय को जब-तब दखल देना पड़ता है। ऐसा ही एक हालिया प्रसंग है जब हवाई पट्टी के किनारे बैठकर भोजन करते यात्रियों की तस्वीरें काफी वायरल हुईं। आवाजाही से सबसे महंगे साधन का उपयोग करने वालों के साथ किसी विमानन कंपनी द्वारा ऐसे बर्ताव किए जाने का संबंध वर्तमान में उड्डयन उद्योग पर इसकी लगभग-एकाधिकार वाली स्थिति से जुड़ा हुआ है। नागरिक उड्डयन उद्योग की सेहत सुधारने के संबंध में उपभोक्ताओं की चिंताएं जुड़ी हैं। कोविड महामारी में लगभग ठप्प पड़ने वाली हालत के बरअक्स, वर्ष 2023 में 15.2 करोड़ लोगों ने हवाई यात्रा की। यह उससे पिछले साल से 23 प्रतिशत का इजाफा है और यह महामारी पूर्व 2019 में दर्ज 14.2 करोड़ यात्रियों की संख्या से अधिक है। हवाई जहाज में प्रयुक्त ईंधन की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से मुनाफे पर असर के बावजूद उड्डयन क्षेत्र का स्वास्थ्य बेहतर हो रहा है। वहीं दूसरी ओर, सरकार का यह आश्वासन कि वह हवाई यात्रा का खर्च सामान्य लोगों के लिए वहनयोग्य बनाना चाहती है, अभी हकीकत बनने से दूर है और महत्वाकांक्षी अंतर क्षेत्रीय हवाई-संपर्क योजना का विस्तार आरंभिक उम्मीद से कहीं धीमा चल रहा है। बहरहाल, एक कंपनी विशेष की लगभग-एकाधिकार वाली स्थिति मजबूत होने ने इतना जरूर पक्का करवा दिया कि इस कथित बजट एयरलाइंस से आवाजाही औसत भारतीय यात्री की पहुंच से बाहर हो गई। इसका शुद्ध परिणाम यह है कि चोटी की विमानन कंपनियां चांदी कूट रही हैं किंतु उपभोक्ता की किफायती हवाई यात्रा जरूरतों की तरफ कोई ध्यान नहीं।

लेखिका वित्तीय मामलों की वरिष्ठ पत्रकार हैं।

भूतो न भविष्यति....जब ग्वालियर से अटल जी ने खाई मात...

(लेखक-राकेश अचल)

भारत की सियासत में अनेक नेता अजेय माने जाते है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेयी ऐसे ही नेताओं में से एक थे ,लेकिन पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी बाजपेयी ने 1985 का लोकसभा चुनाव सिंधिया परिवार को टूटने से बचाने के लिए किया गया एक बड़ा बलिदान है। अटल जी ने उस चुनाव में अपने सियासी जीवन की सबसे बड़ी पराजय का सामना किया था। अटल जी भारतीय राजनीति के अजातशत्रु थे। माधवराव सिंधिया ने 1971 ,77 और 1980 का लोकसभा चुनाव गुना-शिवपुरी संसदीय सीट से लड़ा था । माधवराव सिंधिया को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों ने पूरी ताकत लगाई लेकिन वो कभी चुनाव नहीं हारे। बाद में माधवराव सिंधिया कांग्रेस में शामिल हो गए और 1985 में कांग्रेस ने भाजपा के सबसे बड़े नेता अटल बिहारी बाजपेयी को हारने के लिए माधवराव सिंधिया को तुरुप के पत्ते की तरह इस्तेमाल करते हुए गवालियर सीट सेअटल बिहारी वाजपेयी के खिलाफ ग्वालेऔर सीट से मैदान में खड़ा कर दिया। ये फैसला नामांकन पत्र भरने के अंतिम क्षणों में हुआ बाजपेयी के खिलाफ किसी दूसरी सीट से नामांकन भरने का वक्त ही नहीं बचा था। मुझे याद है कि उस समय राजमाता और माधवराव सिंधिया के बीच दूरियां बढ़ने लगी थी। माधवराव सिंधिया जनसंघ छोड़कर कांग्रेस में चले गए थे। जिस कारण से राजमाता नाराज थीं। ऐसे में राजमाता ने भी 1984 का लोकसभा चुनाव ग्वालियर से लड़ने की बात कही थी। अटल बिहारी वाजपेयी को जैसे ही राजमाता के ग्वालियर से चुनाव लड़ने की भनक लगी वो सीधे ग्वालियर आकर राजमाता से मिले और कहा कि मैं कोटा की जगह ग्वालियर से चुनाव लड़ूगा।अटल जी ने ये प्रस्ताव भावुकता में किया था ,उन्हें क्या पता था कि उनका ये फैसलना आत्मघाती साबित होगा। माधवराव सिंधिया ने उन्हें करीब पौने दो लाख वोटों से हराया था। भाजपा 1984 के लोकसभा चुनाव में अटल बिहारी वाजपेयी के लिए एक सुरक्षित सीट की तलाश में थी। जिसके लिए पहले कोटा और बाद में ग्वालियर सीट पर विचार किया गया,अंत में ग्वालियर सीट से उनका नाम फाइनल किया था क्योंकि ये सीट राजमाता के प्रभाव वाली सीट थी। मजे की बात ये है कि अटल बिहारी वाजपेयी ने ग्वालियर से चुनाव लड़ने से पहले माधवराव सिंधिया से पूछा था कि आप ग्वालियर से तो चुनाव नहीं लड़ेंगे ? दोनों के रिश्ते बहुत मधुर थे। माधवराव सिंधिया ने उन्हें आश्वस्त किया कि वे तो गुना से चुनाव लड़ते हैं। ग्वालियर से क्यों लड़ेंगे ?। लेकिन ऐन मौके पर जब राजीव गांधी ने माधवराव सिंधिया की सीट बदल दी तो खुद माधवराव सिंधिया अवाक रह गए। 1984 -85 में अटल बिहारी वाजपेयी वैसे तो माधवराव सिंधिया की उम्मीदवारी सामने आते ही आधा चुनाव हार गए थे ,लेकिन उन्होंने मैदान नहीं छोड़ा। पांव में तकलीफ के बाद भी वे प्लास्टर बांधकर चुनाव प्रचार करते ह्द्ध। भाजपा के कुछ स्थानीय कार्यकर्ताओं ने अटल जी कि ऊँट पल पर हुई सभा में बम रखे होने की अफवाह उड़ाई और एक नारियल छिपकर रख दिया लेकिन हवा को नहीं बदलना था ,सो नहीं बदली। अटल जी मन मारकर गलीई-गली

चुनाव प्रचार करते रह। खुद राजमाता ने सार्वजनिक रूप से अटल जी का प्रचार किया लेकिन उनका दिल आपने बेटे की जीत के लिए धड़क रहा थ। पार्टी कार्यकर्ताओं ने भी राजमाता के मन की बात सुनी और अटल जी का साथ छोड़ दिया। अटल जी को चुनाव है=रना था सो चुनाव हार गए। चुनाव परिणामों की अंतिम घोषणा से पहले ही अटल जी ने कुछ चुनिंदा पत्रकारों से बातचीत में एक खीज भरी मुस्कराहट बिखेरते हुए कहा कि - ग्वालियर से चुनाव लड़कर मैंने मां -बेटे की लड़ाई को महल तक सीमित रहने दिया। उसे सड़क पर नहीं आने दिया। मुझे अच्छी तरह से याद है कि अटल जी ने कहा था कि- अगर मैं इस सीट से चुनाव नहीं लड़ता तो माधवराव सिंधिया के खिलाफ राजमाता चुनाव लड़ जाती और मैं यही नहीं चाहता था। आपको याद होगा कि राजमाता में राजहठ बहुत थ। इससे पहले वे पार्टी के मना करने के बावजूद रायबरेली से इंदिरा गाँधी के खिलाफ चुनाव लड़कर हार चुकी थी।भाजपा कि सिंधिया परिवार के प्रति भक्ति अटल जी की हार का कारण बनी । कांग्रेस ने जब माधवराव सिंधिया को कांग्रेस से बाहर कर दिया था उस समय भी भाजपा ने सिंधिया को ग्वालियर से वॉक-ओव्हर देते हुए अपने प्रत्याशी को मैदान से हटा लिया था,वो भी केवल राजमाता की वजह से। 1984 -85 के लोकसभा चुनाव में पहली बार ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने पिता माधवराव सिंधिया के समर्थन में रैली की थी। ये उनकी पहली रैली थी। उस समय ज्योतिरादित्य सिंधिया की उम्र मात्र 14 साल थी। उन्होंने अपनी मां के साथ अपने माधवराव सिंधिया के लिए चुनाव प्रचार किया था। वहीं, राजमाता ने चुनाव प्रचार में केवल एक रैली को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने कहा था कि एक ओर पूत है, दूसरी ओर सपूत

विचार मंथन

भाजपा का घोषणा पत्र बनाम संकल्प पत्र

(लेखक- सनत जैन)

भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इसे संकल्प पत्र का नाम दिया गया है। इस घोषणा पत्र में तीसरी बार सत्ता में वापसी होने पर भारत में न्याय संहिता लागू की जाएगी। वन नेशन और वन इलेक्शन पर काम किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संकल्प पत्र के बारे में अपने संकल्पों को दोहराया। भाजपा ने अपने घोषणा पत्र में किसानों,युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए घोषणा पत्र में जो कहा है, उसके बारे में विस्तार से समझाया। मछुआरों के लिए बीमा की सुविधा, आदिवासियों के लिए मोटे अनाज को सुपरफुड के तौर पर दुनिया भर में पहचान बनाने, उन्हें आर्थिक रूप से संपन्न बनाने, एसटी-एससी वर्ग के लिए विशेष कार्यक्रम, एकलव्य स्कूल खोलने, रामायण उत्सव मनाने,अयोध्या का विकास और भ्रष्टाचार खत्म करने जैसे कई संकल्पों की घोषणा की। ट्रेनों की वेटिंग लिस्ट को समाप्त करने और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों का बिना किसी भेदभाव के इलाज करने के संकल्प को दोहराया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार गरीब, गांव और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए विशेष कार्यक्रम चलाएगी।भारतीय जनता पार्टी के घोषणा पत्र में जिन विषयों को संकल्प रूप में दर्शाया गया है। वह कब और किस रूप में पूरे होंगे। यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। 2024 में 2047 का खाका जरूर खींचा गया है। 2014 से भारतीय जनता पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सरकार काम कर रही है। पिछले 10 वर्षों में जो वायदे और संकल्प किए गए थे। समय-समय पर जो सपने और घोषणाएं भाजपा ने की थी। मतदाता अब 10 साल बाद उसे विश्वसनीयता की कसौटी पर कसने की मुद्रा में आ गया है। कांग्रेस पार्टी ने जो घोषणा पत्र जारी किया है। वह ज्यादा स्पष्ट,और मतदाताओं को लुभा रहा है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में मजदूरों, युवाओं, महिलाओं, किसानों, आदिवासी, एससी-एसटी वर्ग प्रत्येक परिवार को न्यूनतम आर्थिक गारंटी, बेरोजगार युवाओं को नौकरी पढ़ाई के बाद स्टाई फंड इत्यादि विषयों को शामिल किया गया है। अब भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र और कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मतदाता चर्चा करेंगें। 2024 की लोकसभा चुनाव में एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच में सीधा मुकाबला है। इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल 2014 और 2019 की तुलना में ज्यादा आक्रामक है। पिछले 10 सालों में मोदी सरकार ने जो वायदे जनता से किए थे। उन वादों में कितने वायदे पूरे हुए? राम मंदिर, धारा 370, सीएए जैसे कानून भाजपा के घोषणा पत्र का राजनीतिक एजेंडा था। जो स्वतंत्रता के बाद से और 1990 से पार्टी चलाती आ रही थी। इससे सभी मतदाताओं का सीधा जुड़ाव नहीं था।महंगाई और बेरोजगारी पिछले 10 वर्षों में बढ़ी है। जो भारतीय जनता पार्टी के लिए एक चुनौती के रूप में सामने है। कांग्रेस पार्टी 10 सालों से सत्ता से बाहर है। राहुल गांधी ने जिस तरह से भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से आम जनता की समस्याओं को समझा है। उन्हें कांग्रेस के घोषणा पत्र में शामिल करके एक बड़ी चुनौती भारतीय जनता पार्टी के लिए खड़ी कर दी है। भाजपा ने आज जो घोषणा पत्र जारी किया है। उसमें स्पष्टता का अभाव है। जिसके कारण 10 वर्षों में जो-जो वायदे जनता से किए गए थे।उनके बारे में जो अविश्वसनियता मतदाताओं के बीच बन गई है। 2024 की लोकसभा चुनाव में भाजपा के लिए यह सबसे बड़ी चुनौती है। मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस पार्टी के बीच राष्ट्रीय स्तर पर है। पांच दशक तक कांग्रेस ने देश में राज किया है।कांग्रेस की पहचान मतदाताओं के बीच मे है। कांग्रेस के कार्यों से जो नाराजी समय-समय पर बनी।आम जनता ने कांग्रेस के खिलाफ मत देकर उन्हें सत्ता से हटाया भी है। भारत के मतदाता समय-समय पर जो निर्णय लेते हैं। वह निश्चित रूप से मतदाताओं की समझदारी को प्रदर्शित करता है। 1977 के लोकसभा चुनाव आपातकाल के बाद हुए थे। उसमें जनता ने कांग्रेस को नकार दिया था। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेस सरकार बनी थी। गैर कांग्रेसी सरकार ने जिस तरह से इंदिरा गांधी के खिलाफ व्यक्तिगत उत्पीड़न की कार्रवाई की। उससे जनता 1980 में नाराज भी हो गई। 1980 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर जनता ने इंदिरा गांधी को अपना नेता मान लिया था।भारी बहुमत से उन्हें केंद्र की सत्ता में बिठा दिया था। आम जनता भारत की बहुत समझदार है। समय-समय पर वह जो निर्णय लेती है, वह राजनेताओं को आश्चर्य चकित करते हैं।

जो यह मानकर चलते हैं, कि वह जो कर रहे हैं। वही सब सही है। 1989 मैं कांग्रेस को जनता ने बोफर्स के आरोप में बहुमत नहीं दिया। 1991 के चुनाव में कांग्रेस पार्टी सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में उभरी।

ईरान और इजराइल में जंग छिड़ी तो कच्चा तेल जा सकता है 100 डॉलर के पार!

मुंबई । ईरान ने इजराइल पर ड्रोन हमले किए हैं, वहीं दूसरी ओर इजराइल और अमेरिका के बीच जवाबी कार्रवाई के लिए बातचीत जारी है। जानकारों का कहना है कि ईरान और इजराइल में जंग की वजह से कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती है। ईरान ओपेक का तीसरा सबसे बड़ा तेल उत्पादक है। अगर इजराइल भी ईरान पर हमले करता है, साथ ही अमेरिकी सरकार ईरान पर प्रतिबंध लगाता है तो कच्चे तेल के दाम भी तेजी से उछाल आएगा। जानकारों की मानें तो पहले ही कच्चे तेल की सप्लाई और उत्पादन दोनों की समस्या थी। अब मिडिल ईस्ट की टेंशन में ईरान का उतरना और भी ज्यादा क्राइसिस पैदा करेगा। अब दुनिया के उन तमाम देशों को महंगे कच्चे तेल के लिए तैयार रहना होगा जो अपनी जरुरत का 80 फीसदी से ज्यादा आयात पर निर्भर करते हैं। कच्चा तेल महंगा होने से ऐसे देशों में महंगाई में बढ़ोतरी भी देखने को मिलेगी। ईरान ने इजराइल पर हमले करने शुरू कर दिए हैं। इजराइल भी जवाबी कार्रवाई कर रहा है। साथ ही अमेरिकी सरकार के साथ बड़ी कार्रवाई करने के लिए बातचीत कर रहा है। ऐसे में अमेरिका ईरान पर आर्थिक प्रतिबंध लगाने जैसी कार्रवाई कर सकता है।

सरकार ने ई-प्लेटफॉर्म से बॉर्नविटा को हेल्थ ड्रिंक्स श्रेणी से हटाने को कहा

नई दिल्ली । कॉमर्स और उद्योग मंत्रालय ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से बॉर्नविटा से हित सभी ड्रिंक्स एंड बेवरेजेस पदार्थों को हेल्थ ड्रिंक्स की श्रेणी से हटाने के लिए कहा है। मंत्रालय की नोटिफिकेशन में आगे कहा गया है कि सभी ई-कॉमर्स कंपनियों, पोर्टलों को सलाह दी जाती है कि वे अपनी साइटों/प्लेटफॉर्मों से बोर्नविटा सहित ड्रिंक/बेवरेजेस पदार्थों को हेल्थ ड्रिंक की श्रेणी से हटा दें। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने कहा कि एफएसएस एक्ट 2006, एफएसएसएआई और मोंडेलेज़ इंडिया के नियमों और रेगुलेशंस के तहत कोई हेल्थ ड्रिंक्स परिभाषित नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक मंत्रालय द्वारा 10 अप्रैल को जारी किए गए बयान में कहा गया कि एनसीपीसीआर बाल अधिकार संरक्षण आयोग (सीपीसीआर) अधिनियम, 2005 की धारा (3) के तहत अपनी जांच के बाद यह निष्कर्ष निकाला है कि एफएसएसएएल और मोंडेलेज इंडिया फूड प्राइवेट लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत एफएसएस अधिनियम 2006, नियमों और विनियमों के तहत कोई हेल्थ ड्रिंक परिभाषित नहीं है। इस महीने की शुरुआत में भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने ई-कॉमर्स प्लेटफार्मों को उनकी वेबसाइटों पर बेचे जाने वाले प्रोडक्ट्स को सही केटेगरी में रखने का निर्देश दिया था। रिपोर्ट के अनुसार सरकारी निकाय ने इन कंपनियों को डेयरी, अनाज या माल्ट-आधारित पेय पदार्थों को हेल्थ ड्रंकस या एनर्जी ड्रिंक्स श्रेणियों के तहत नहीं डालने का निर्देश दिया है।

देश के कई राज्यों पेट्रोल-डीजल की कीमत में हुआ बदलाव

- ब्रेंट क्रूड 90.45 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 85.66 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 90.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन के दामों में संशोधन किया जाता है। हरियाणा में रे विवार को पेट्रोल की कीमत में 30 पैसे और डीजल में 29 पैसे की तेजी आई है। पंजाब में पेट्रोल 30 पैसे और डीजल 34 पैसे महंगा हो गया है। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, कर्नाटक और गुजरात में पेट्रोल-डीजल की कीमत में तेजी देखने को मिल रही है। दूसरी ओर राजस्थान में पेट्रोल 39 पैसे और डीजल 34 पैसे सस्ता हो गया है। महाराष्ट्र में भी पेट्रोल-डीजल की कीमत में 10 पैसे से ज्यादा की गिरावट है। केरल, गोवा और ओडिशा में भी पेट्रोल-डीजल के भाव गिरे हैं। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 94.34 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 94.66 रुपये और डीजल 87.76 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 94.53 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 94.52 रुपये और डीजल 87.61 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

एफपीआई ने अप्रैल में अब तक बाजारों में 13,300 करोड़ निवेश किया

- इस साल एफपीआई अब तक शेयरों में कुल 24,241 करोड़ निवेश कर चुके हैं

नई दिल्ली ।
बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति तथा आर्थिक वृद्धि की बेहतर संभावनाओं के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 13,300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आगे चलकर भारत-मॉरीशस कर संधि में बदलावों पर चिंता एफपीआई प्रवाह पर असर डालेगी। यह स्थिति नई संधि के विवरण पर स्पष्टता आने तक बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि एक और बड़ी चिंता पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान-इजराइल के बीच तनाव बढ़ रहा है जिसका असर निकट अवधि में एफपीआई के निवेश पर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) के पास काफी नकदी है। इसके अलावा खुदरा निवेशक तथा उच्च संपदा वाले व्यक्ति यानी एचएनआई भारतीय बाजार को लेकर आशान्वित हैं। ऐसे में एफपीआई की बिकवाली की भरपाई यहां से हो जाएगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 12 अप्रैल तक भारतीय शेयरों में 13,347 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हालांकि भारत-मॉरीशस कर संधि में बदलाव की आशंका के चलते शुक्रवार को एफपीआई ने 8,027 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वृद्धि संबंधी चिंताओं के कारण फिच द्वारा चीन की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से घटाकर नकारात्मक करने की वजह से भारतीय बाजारों को भारी निवेश मिला है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मानसून सामान्य रहने की उम्मीद तथा मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के बीच वृद्धि तेज रहने की उम्मीद से भी एफपीआई का भारतीय बाजारों को लेकर आकर्षण बढ़ा है।

डब्ल्यूटीआई कैब्स इस साल अपने बेड़े में 1,000 ईवी जोड़ेगी

नई दिल्ली । बी2बी परिवहन समाधान प्रदाता वाइज ट्रैवल इंडिया लिमिटेड (डब्ल्यूटीआई कैब्स) इस साल अपने बेड़े में 1,000 इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) जोड़ने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि कंपनी हरित परिवहन अभियान के तहत यह कदम उठाने जा रही है। कंपनी देश के दूसरी श्रेणी के शहरों मसलन चंडीगढ़, जयपुर, कोयंबटूर और इंदौर में विस्तार कर रही है। इसके अलावा कंपनी का इरादा सऊदी अरब और सुदूर-पूर्व के देशों के जरिये अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उपस्थिति दर्ज कराने का है। उन्होंने कहा कि इस साल हमारा मुख्य लक्ष्य हरित पर है। हम अपने बेड़े में ऐसे वाहनों को शामिल कर रहे हैं जो बिजलीचालित और बायो-सीएनजी हैं। हमारे पास पहले से 300 इलेक्ट्रिक कार हैं। इस साल हम अपने बेड़े में एक हजार से अधिक इलेक्ट्रिक कार और बस शामिल करने जा रहे हैं। कंपनी डब्ल्यूटीआईकैब्स ब्रांड के तहत परिचालन करती है। इसके बेड़े में तीसरे पक्ष और व्यक्तिगत स्वामित्व वाले वाहन भी हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक इलेक्ट्रिक वाहनों की बात है, तो इनमें से ज्यादातर कंपनी के स्वामित्व वाले होंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए करीब 50 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा।

15 मिनट में शून्य से 100 फीसदी चार्ज करता रैपिड चार्जिंग

-भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स बढ़ रही मांग

नई दिल्ली। भारत में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स की मांग बढ़ती जा रही है। ईवी सबसे ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में शुक्रवार को एक पैसेंजर इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर लॉन्च किया गया, जो 15 मिनट में पूरी तरह चार्ज होता है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी ने तेजी से चार्ज होने वाले इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर के लिए एक्सपोनेंट एनर्जी के साथ पार्टनरशिप की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि 3,24,999 रुपये की कीमत पर 'ओएसएम स्ट्रीम सिटी क्विक'ईवी 6 शहरों में मौजूद एक्सपोनेंट के रैपिड चार्जिंग नेटवर्क पर 15 मिनट में शून्य से 100 फीसदी तक चार्ज करता है। ओमेगा सेकी मोबिलिटी के फाउंडर चेयरमैन ने कहा कि सड़क पर डाउनटाइम को कम करके और दक्षता को अधिकतम करके क्विक यह सुनिश्चित करता है कि हर यात्रा वाहन पर 2 लाख किलोमीटर या 5 साल, जो भी पहले हो, की वारंटी है. एक्सपोनेंट एनर्जी ने एक बयान में कहा कि वह इस साल दिल्ली-एनसीआर और बेंगलुरु में 100 चार्जिंग स्टेशन शुरू करेगी, जबकि चेन्नई, अहमदाबाद, कोलकाता और हैदराबाद में अपने नेटवर्क का विस्तार भी करेगी। एक्सपोनेंट एनर्जी के को-फाउंडर और सीईओ ने कहा कि ईवी या आईसीई व्हीकल की तुलना में यूजर द्वारा अपने एक्सपोनेंट-संचालित ईवी से प्राप्त होने वाले उच्चतम संभावित लाभ को अनलॉक करता है। पैसेंजर ईवी में 8.8 किलोवाट का बैटरी पैक है और यह एक बार चार्ज करने पर 126 किलोमीटर तक चलता है। देश में यात्री तिपहिया वाहनों की बिक्री जनवरी में 53,537 इकाई को पार कर गई थी।

भू-राजनीतिक घटनाक्रमों, कंपनियों के तिमाही नतीजे तय करेंगे शेयर बाजार की दिशा

घरेलू शेयर बाजार की नजरें कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी

मुंबई ।

बाजार विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह भू-राजनीतिक घटनाक्रम, वृहद आर्थिक आंकड़े और कंपनियों के तिमाही नतीजे शेयर बाजारों की दिशा तय करेंगे। यह सप्ताह कम कारोबारी सत्रों का होगा। बुधवार को रामनवमी पर्व पर बाजार में अवकाश रहेगा। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि यह सप्ताह बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। इसकी वजह यह है कि ईरान और इजराइल के बीच संघर्ष की आशंका पैदा हो रही है। दोनों के बीच तनाव बढ़ने से वैश्विक शेयर बाजारों में घबराहटपूर्ण बिकवाली देखने को मिल सकती है। इसके अलावा बाजार की नजरें कच्चे तेल की कीमतों पर भी रहेगी, जो भू-राजनीतिक घटनाक्रमों से प्रभावित होती है। उन्होंने कहा कि इस सप्ताह इन्फोसिस, बजाज ऑटो और विप्रो की तिमाही नतीजे आने हैं जिन पर निवेशकों की नजर रहेगी। उन्होंने कहा कि वृहद आर्थिक मोर्चे पर चीन के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आंकड़े, अमेरिका के खुदरा बिक्री के आंकड़े और अमेरिका में बॉन्ड पर प्रतिफल के अलावा डॉलर सूचकांक की दिशा बाजार के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। सोमवार को टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के शेयर पर सभी की नजर रहेगी। कंपनी ने शुक्रवार को अपनी जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे पेश किए हैं। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी का मुनाफा बीते वित्त वर्ष की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में नौ प्रतिशत बढ़कर 12,434 करोड़ रुपये रहा है। हालांकि, विदेशी बाजारों में कंपनी को काफी चुनौतियों का सामना

करना पड़ा है। पूरे वित्त वर्ष में टाटा समूह की कंपनी का मुनाफा नौ प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 45,908 करोड़ रुपये रहा है। वहीं कंपनी की आमदनी 2,25,458 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,40,893 करोड़ रुपये हो गई है। बाजार का परिदृश्य प्रमुख वैश्विक और घरेलू आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा।

इस दौरान भारत का थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति का आंकड़ा आना है। साथ ही चीन का जीडीपी, अमेरिका का विनिर्माण उत्पादन के साथ बेरोजगारी दावों का आंकड़ा आना है। हाल ही में जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, खुदरा मुद्रास्फीति मार्च में घटकर पांच माह के निचले स्तर 4.85 प्रतिशत पर आ गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में नरमी से खुदरा मुद्रास्फीति कम हुई है। शुक्रवार को जारी आंकड़ों से पता चलता है कि खनन क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण फरवरी, 2024 में भारत की औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि चार महीने के उच्चतम स्तर 5.7 प्रतिशत पर पहुंच गई है। निवेशकों की नजर कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजों और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर लगी है। इनसे बाजार को दिशा मिलेगी। भारतीय अर्थव्यवस्था हालांकि मजबूत बनी हुई है लेकिन वैश्विक मोर्चे पर नकारात्मक खबरें यदा-कदा भारतीय शेयर बाजारों की रफ्तार को रोकती रहती हैं।

एफपीआई ने अप्रैल में अब तक बाजारों में 13,300 करोड़ निवेश किया

इस साल एफपीआई अब तक शेयरों में कुल 24,241 करोड़ निवेश कर चुके हैं

नई दिल्ली ।

बाजार के जानकारों ने कहा कि घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूत स्थिति तथा आर्थिक वृद्धि की बेहतर संभावनाओं के चलते विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अप्रैल के पहले दो सप्ताह में भारतीय शेयर बाजारों में 13,300 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि आगे चलकर भारत-मॉरीशस कर संधि में बदलावों पर चिंता एफपीआई प्रवाह पर असर डालेगी। यह स्थिति नई संधि के विवरण पर स्पष्टता आने तक बनी रह सकती है। उन्होंने कहा कि एक और बड़ी चिंता पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव है। ईरान-इजराइल के बीच तनाव बढ़ रहा है जिसका असर निकट अवधि में एफपीआई के निवेश पर देखने को मिल सकता है। उन्होंने कहा कि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) के पास काफी नकदी है। इसके अलावा खुदरा निवेशक तथा उच्च संपदा वाले व्यक्ति यानी एचएनआई भारतीय बाजार को लेकर आशान्वित हैं। ऐसे में एफपीआई की बिकवाली की भरपाई यहां से हो जाएगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक एफपीआई ने इस महीने 12 अप्रैल तक भारतीय शेयरों में 13,347 करोड़ रुपये का निवेश किया है। हालांकि भारत-मॉरीशस कर संधि में बदलाव की आशंका के चलते शुक्रवार को एफपीआई ने 8,027 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि वृद्धि संबंधी चिंताओं के कारण फिच द्वारा चीन की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग परिदृश्य को स्थिर से घटाकर नकारात्मक करने की वजह से भारतीय बाजारों को भारी निवेश मिला है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा मानसून सामान्य रहने की उम्मीद तथा मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था के बीच वृद्धि तेज रहने की उम्मीद से भी एफपीआई का भारतीय बाजारों को लेकर आकर्षण बढ़ा है। समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में 1,522 करोड़ रुपये का निवेश किया है। जेपी मॉर्गन इंडेक्स में भारत सरकार के बॉन्ड को शामिल किए जाने की घोषणा के बाद से एफपीआई भारतीय बॉन्ड बाजार में पैसा लगा रहे हैं।

एलन मस्क अपनी एआई कंपनी में इंजीनियर व डिजाइनर नियुक्त करेगी

नई दिल्ली ।

एलन मस्क ने शनिवार को युवा प्रतिभाशाली लोगों से उनके कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) उद्यम एक्सएआई में शामिल होने के लिए कहा। उनकी एक्सएआई कंपनी वर्तमान में उत्पाद, डेटा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्रों के अलावा इंजीनियरों और डिजाइनरों की भी नियुक्ति कर रही है। टेक अरबपति ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया कि एक्सएआई से जुड़ें। कंपनी जिसने ग्रोक नामक एआई चैटबॉट का अनावरण किया है, एआई ट्यूटर्स को भी नियुक्त कर रही है। कंपनी के अनुसार हम एआई शोधकर्ताओं और इंजीनियरों की एक टीम हैं, जो एआई सिस्टम बनाने के मिशन पर हैं और मानवता को दुनिया को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकते हैं। मस्क का एआई उद्यम अमेरिका और लंदन में सैन फ्रांसिस्को खाड़ी क्षेत्र और पालो ऑल्टो में नियुक्तियां कर रहा है। एक्सएआई के अनुसार हालांकि हम व्यक्तिगत रूप से काम करना पसंद करते हैं, लेकिन हम असाधारण उम्मीदवारों के लिए दूरस्थ कार्य के अवसर भी प्रदान करते हैं। कंपनी कर्मचारियों को आकर्षक वेतन समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाएं भी दे रही है।

बीते सप्ताह तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट का रुख रहा

- सरसों दाने का थोक भाव 5,340-5,380 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में सोयाबीन डीगम कमजोर होने से आयातित खाद्य तेलों की कीमतें प्रभावित होने के कारण बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट दर्ज हुई। इस दौरान सरसों, मूंगफली तेल-तिलहन, सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखने को मिली जबकि किसानों की अपेक्षा के अनुरूप दाम नहीं मिलने के कारण मंडियों में कम बिक्री करने से सोयाबीन तिलहन तथा बाजार में आवक घटने के बीच बिनौला तेल के दाम तेजी के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों का कहना है कि बंदरगाह सहित अन्य स्थानों पर खाद्य तेलों के कमजोर स्टॉक के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशों में सोयाबीन डीगम तेल के थोक दाम पहले के 1,015-1,020 डॉलर प्रति टन से घटकर 975-980 डॉलर प्रति टन रह गये। इस गिरावट का असर बाकी तेल-तिलहनों पर भी आया और पिछले सप्ताह के मुकाबले समीक्षाधीन सप्ताह में अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए।

बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 95 रुपये की गिरावट के साथ 5,340-5,380 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का भाव 350 रुपये घटकर 10,075 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 45-45 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 1,720-1,820 रुपये और 1,720-1,835 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और लूज का भाव क्रमशः 170-170 रुपये की तेजी के साथ क्रमशः 4,910-4,930 रुपये प्रति क्विंटल और 4,710-4,750 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके विपरीत सोयाबीन दिल्ली, सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम तेल का भाव क्रमशः 300 रुपये, 400 रुपये और 375 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 10,400 रुपये और 10,050 रुपये और 8,700 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन के दाम 75 रुपये की गिरावट के साथ 6,105-6,380 रुपये क्विंटल पर बंद हुए। मूंगफली गुजरात और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल के भाव भी क्रमशः250 रुपये और 40 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 14,750 रुपये क्विंटल और 2,240-2,505 रुपये प्रति टिन पर बंद हुए।

बैंक ऑफ बड़ौदा ने ब्याज दर बढ़ाई

- अब लोन पर देना होगा ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली ।

सरकारी क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा ने एमसीएलआर को बढ़ा दिया है। पिछले दिनों भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से रेपो रेट 6.5 फीसदी पर स्थिर रखा गया था। इसके बाद भी अब बैंक की ओर से ब्याज दर में बढ़ोतरी की गई है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने 12 अप्रैल से अपने मार्जिनल कॉस्ट फंड बेस्ड लेंडिंग रेट (एमसीएलआर) को 4 टेन्योर में 0.05 फीसदी तक बढ़ाया है। अब ये नई दरें लागू होने के साथ ही ओवरनाइट एमसीएलआर 8.10 फीसदी है, जो पहले 8.05 फीसदी था। अब 3 महीने की एमसीएलआर 8.45 फीसदी होगी। यह पहले 8.40 फीसदी थी। छह महीने की एमसीएलआर 8.65 फीसदी है। वहीं एक साल की एमसीएलआर 8.85 फीसदी होगी। इसी तरह सरकारी बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक ने भी एमसीएलआर में बढ़ोतरी की है। एक्सचेंज फाइलिंग के मुताबिक सरकारी बैंक एमसीएलआर में 0.05 से 0.10 फीसदी तक की बढ़ोतरी करेगी। बैंक ने कहा कि सोमवार से एमसीएलआर दरों में बढ़ोतरी होगी। एमसीएलआर की दर वह होती है, जिससे कम पर बैंक लोन नहीं जारी कर सकता है। बैंकों को अपना एमसीएलआर जारी करना अनिवार्य होता है। एमसीएलआर यह वह न्यूनतम दर होती है जिसके नीचे कोई भी बैंक ग्राहकों को लोन नहीं दे सकता है, यानी कि इस रेट के नीचे बैंक ग्राहकों को लोन नहीं दे सकते। एमसीएलआर बढ़ने से मार्जिनल कॉस्ट से जुड़े लोन महंगे हो जाएंगे।

सेंसेक्स की प्रमुख सात कंपनियों का मार्केट कैप 59,404 करोड़ बढ़ा

- प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई । पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से सात कंपे नियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 59,404.85 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसमें सबसे अधिक मुनाफा भारती एयरटेल और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 19,029.37 करोड़ रुपये बढ़कर 6,92,861.27 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 15,363.23 करोड़ रुपये बढ़कर 7,75,447.63 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 10,250.02 करोड़ रुपये बढ़कर 19,85,797.70 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का मूल्यांकन 7,507.53 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 14,47,343.55 करोड़ रुपये, आईटीसी की बाजार हैसियत 2,809.06 करोड़ रुपये बढ़कर 5,36,967.87 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 2,303.73 करोड़ रुपये बढ़कर 6,16,424.57 करोड़ रुपये और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण 2,141.91 करोड़ रुपये बढ़कर 6,84,294.62 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत एचडीएफसी बैंक की बाजार हैसियत 23,170.58 करोड़ रुपये घटकर 11,53,894.76 करोड़ रुपये रह गई। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 13,440.62 करोड़ रुपये घटकर 6,14,252.15 करोड़ रुपये पर आ गया। हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 8,153.08 करोड़ रुपये घटकर 5,24,663.73 करोड़ रुपये रह गया।

प्रमुख 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। इसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, भारती एयरटेल, एसबीआई, इन्फोसिस, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

भारत में मस्क की ईवी कार फैक्ट्री खोलने की योजना चीन को पसंद नहीं

- टेस्ला का भारत की ओर झुकाव बढ़ने से बुरी तरह खिसिया गया है चीन

नई दिल्ली ।

टेस्ला के सीईओ एलन मस्क की भारत में इलेक्ट्रिक कार फैक्ट्री खोलने की योजना चीन को पसंद नहीं आई है। इसके शुभारंभ से पहले ही उसने बद्दुआएं देनी शुरू कर दी हैं। टेस्ला का भारत की ओर झुकाव बढ़ने से चीन बुरी तरह खिसिया गया है। उसने कहा है भारत में टेस्ला का कारोबार तबाह हो जाएगा। मस्क इस महीने के अंत में भारत की यात्रा करने वाले हैं। इस दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात होनी है। उनसे मिलने के बाद टेस्ला अपने कारखाने की योजना के बारे में कोई बड़ा ऐलान कर सकती है। दिग्गज कारोबारी एलन मस्क लंबे समय से सरकार से बातचीत कर रहे हैं। वह भारत में कम ड्यूटी पर कारों का आयात करना चाहते थे। इसके विपरीत सरकार चाहती थी कि वह स्थानीय स्तर पर कारों की मैन्‍ यूफैक्‍चरिंग करें। सरकार ने पिछले महीने अपनी नई ईवी पॉलिसी की घोषणा की है। इसके बाद टेस्ला के भारत में प्रवेश की बातें चलने लगी हैं। माना जा रहा है मस्क इसके बारे में भारत आने पर घोषणा कर सकते हैं। भारत की नई ईवी पॉलिसी टेस्ला के अनुकूल होने की संभावना है। यह और बात है कि चीन को टेस्ला की भारत में प्रवेश की योजना रास नहीं आई है। चीनी सरकार के एक अखबार में उसने टेस्ला को आमंत्रित करने के भारत के महत्वाकांक्षी कदम पर भविष्यवाणी कर दी है। इस चीनी माउथपीस ने कहा है कि टेस्ला का यह प्लान काम नहीं करेगा। कारण है कि भारतीय बाजार परिपक्व नहीं है। वह इसके लिए बेहद कम तैयार है। भारतीय बाजार के लिए यह बहुत जल्दी है। चीन सरकार के अखबार में कहा गया कि ईवी को बड़े पैमाने पर अपनाने के लिए भारत के सामने एक बड़ी बाधा पब्लिक चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की अनुपस्थिति है। भारत के कई क्षेत्रों में लगातार बिजली कटौती का सामना करना पड़ता है। इसमें कहा गया है कि भारत में बिजली की कमी हो रही है। अधिक बिजली पैदा करने के लिए कोयला खदानों और बिजली संयंत्रों के विस्तार से जलवायु लक्ष्यों को पूरा करना मुश्किल हो जाएगा। चीन के खिसियाकर इस तरह की अपमानजनक बातें बोलने का कारण है। दरअसल, चीन के कई दिग्गज ईवी मैन्यूफ्क्चरर्स ने पहले भारत में ईवी मैन्यूफैक्चरिंग में दिलचस्पी दिखाई थी। लेकिन, भारत सरकार ने उन्हें मंजूरी नहीं दी थी। सीमा विवाद के कारण भारत-चीन के संबंध खराब हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईपीएल 2024: आरसीबी और सनराइजर्स का मुकाबला आज

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) सोमवार को यहां आईपीएल मुकाबले में सनराइजर्स हैदराबाद से खेलेगी। आरसीबी की टीम का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल एक मैच ही जीत पायी है। इससे टीम अंक तालिका में अंतिम स्थान पर है। ऐसे में उसका लक्ष्य घरेलू मैदान पर इस मैच में जीत दर्ज कर अपनी लय हासिल करना रहेगा। टीम की विफलता का कारण बल्लेबाजी और गेंदबाजी में कमजोर प्रदर्शन रहा है। बल्लेबाजी के दौरान अब तक केवल विराट कोहली ही रन बना पाये हैं जबकि अन्य बल्लेबाज नाकाम रहे हैं। वहीं गेंदबाजी भी प्रभावहीन रही है। वहीं दूसरी ओर सनराइजर्स का प्रदर्शन उसके मुकाबले कहीं अच्छा रहा है और वह इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स ने अब तक 5 में से 3 मैच जीते हैं। सनराइजर्स पिछले 2 मैच जीती है जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। उसने इस सत्र में आईपीएल का सबसे बड़ स्कोर भी बनाया है। ऐस में बेंगलुरु की एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच पर उसे रोकना आरसीबी के लिए बेहद कठिन रहेगा। इस मैदान पर गेंदबाजों को खासा संघर्ष करना पड़ता है। गेंद बल्ले पर आसानी से आती है वहीं मैदान भी काफी छोटा है, जिसके कारण जमकर चौके और छक्के लगते हैं। स्पिनर्स को हालांकि यहां कुछ सहायता मिलती है। जिसका लाभ दोनो ही टीमों के स्पिनर उठाना चाहेंगे। इस पिच पर पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 रन का टारगेट भी जीत के लिए पर्याप्त नहीं होता।

आईपीएल के इतिहास में इस मैदान पर अब तक कुल 91 मैच खेले गए हैं, जिसमें से पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 38 जबकि दूसरी बार बल्लेबाजी करने वाली टीम ने 49 में जीत दर्ज की है। ऐसे में आरसीबी को इस मैच में जीत दर्ज करनी है तो विराट के अलावा उसके कप्तान फाफ डु प्लेसी और अन्य

बल्लेबाजोंको भी रन बनाने होंगे। वहीं सनराइजर्स के पास ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन जैसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी गेंदबाजी आक्रमण को धवस्त कर सकते हैं।

टीम

सनराइजर्स हैदराबाद- जयदेव उनादकट, जे सुब्रमण्यन, टी नटराजन, मयंक मारकंडे, भुवनेश्वर कुमार, फजलहक फारूकी, पैट कमिंस (कप्तान), वाशिंगटन सुंदर, शाहबाज अहमद, सनवीर सिंह, ग्लेन फिलिप्स, नितीश रेड्डी, मार्को यानसेन, अभिषेक शर्मा, उपेंद्र यादव, राहुल त्रिपाठी, ऐडन मार्कराम, हेनरिक क्लासेन, ट्रेविस हेड, अनमोलप्रीत सिंह, मयंक अग्रवाल, अब्दुल समद, आकाश महाराज सिंह, वानिंदु हसरंगा और उमरान मलिक।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु- फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई, विल जैक्स, महिपाल लोमरोर, कर्ण शर्मा, मनोज भंडागे, मयंक डागर, विजयकुमार विशक, आकाश दीप। मोहम्मद सिराज, रीस टॉपले, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, कैमरून ग्रीन, अल्ज़ारी जोसेफ, यश दयाल, टॉम कुरेन, लॉकी फर्ग्यूसन, स्वप्निल सिंह, सौरव चौहान।

लगातार अच्छा खेलने का दबाव है, टी20 विश्व कप पर ट्रेविस हेड की नजरें

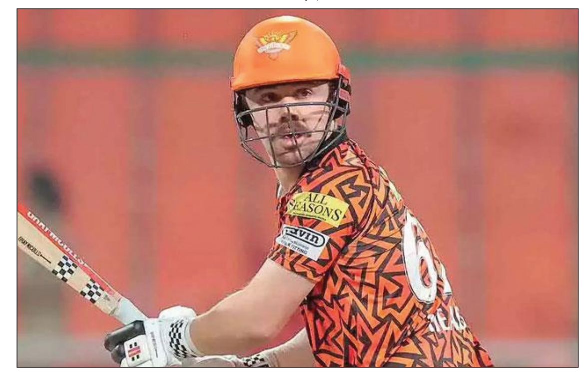

बेंगलुरु (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड ने 2023 में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन उन्हें पता है कि यह स्तर बनाए रखना चुनौतीपूर्ण है और इस सफर का पहला पड़ाव टी20 विश्व कप होगा। हेड ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और 50 ओवरों के विश्व कप में शतक जमाए थे। अब वह इंडियन प्रीमियर लीग के जरिए जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी पुख्ता करना चाहते हैं।

हेड ने कहा, 'एक खिलाड़ी के तौर पर मैने लंबा सफर तय किया है। मेरी अपनी शैली है और विदेश में भी उसी तरह खेलता हूं। अब लगातार अच्छा खेलने का दबाव है।' उन्होंने कहा, 'सभी प्रारूपों में यह मैं सुनिश्चित करता हूं कि बेसिक चीजों पर अडिग रहूं। यही मेरी तकनीक और ब्लूप्रिंट है।' उन्होंने कहा, 'विश्व कप अब करीब है और उम्मीद है कि सनराइजर्स टीम में रहने और शीर्षक्रम पर खेलने से मेरी तैयारी पुख्ता होगी। इस लय को विश्व कप में लेकर जा सकूंगा।'

आईपीएल का पूरा सत्र खेलने से विश्व कप से पहले थकान या चोट का मसला हो सकता है। यह पूछने पर उन्होंने कहा, 'यह अहम है कि पूरे आईपीएल में मानसिक रूप से तरोताजा रहूं और अपने खेल पर काम करता रहूं। यह सुनिश्चित करूं कि विश्व कप के लिए पूरी तरह से तैयार हूं। मुझे ऐसा लग रहा है कि मैं तैयार हूं।'

रोहित के लिए जान की बाजी लगा दूंगी- आईपीएल मेगा ऑक्शन पर बोलीं प्रिटी जिंटा

मुम्बई (एजेंसी)। मुल्लांपुर में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में पंजाब किंग्स को एक बार फिर से हार का सामना करना पड़ा। पंजाब ने सीजन में यह चौथा मुकाबला गंवाया जोकि आखिरी ओवर में उनके हाथ से निकल गया। फिलहाल शिखर धवन की कप्तानी भी पंजाब को रास आती नहीं दिख रही है। ऐसे में अगले साल होने वाली आईपीएल मेगा ऑक्शन को लेकर पंजाब किंग्स की सहमालकिन प्रिटी जिंटा का एक बयान चर्चा में आ गया है। प्रिटी ने साफ तौर पर रोहित शर्मा को अपनी टीम का कप्तान बनाने की इच्छा जाहिर की है।

प्रीति जिंटा ने 'चैंपियन कप्तान' रोहित शर्मा की सराहना की। उन्होंने एक इंटरव्यू में दावा किया कि अगर रोहित शर्मा मेगा नीलामी में उपलब्ध होंगे तो वह पंजाब किंग्स टीम में रोहित शर्मा को लाने के लिए ÷अपनी जान की बाजी÷ लगा देंगी। प्रिटी ने कहा कि उनकी टीम को एक ऐसे कप्तान की कमी खलती है जो खिलाड़ियों के बीच 'कुछ स्थिरता' और 'चैंपियन मानसिकता' ला सके। अगर रोहित शर्मा मेगा नीलामी में आते हैं तो मैं उन्हें पाने के लिए अपनी जान की बाजी लगा दूंगा। हमें अपनी टीम में केवल एक ऐसे कप्तान की कमी खल रही है जो कुछ स्थिरता और चैंपियन मानसिकता लेकर आता है।

खबर है कि रोहित शर्मा ने कथित तौर पर आईपीएल 2024 सीजन के बाद मुंबई इंडियंस फ्रेंचाइजी से अलग होने की इच्छा व्यक्त की है। अगर ऐसा हुआ तो वह मेगा ऑक्शन में आ सकते हैं। इस दौरान कुछ और टीमें भी उन्हें लेने का प्रयास कर सकती हैं। बहरहाल, पंजाब किंग्स फिलहाल 8वें स्थान पर चल रही है। पंजाब ने अब तक 6 मुकाबले खेले हैं जिसमें 2 में उन्हें जीत तो 4 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा है। पंजाब इस सीजन में दिल्ली और गुजरात को हरा चुकी है। जबकि बेंगलुरु, लखनऊ, हैदराबाद और राजस्थान के खिलाफ उन्हें आखिरी ओवर में हार मिली थी।

साल्ट की अर्धशतकीय पारी, कोलकाता ने लखनऊ को 8 विकेट से हराया

कोलकाता (एजेंसी)। फिलिप साल्ट की 47 गेंदों पर 14 चौकों और 3 छक्कों की मदद से 89 रन की पारी की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की। निकोल्स पूरन (32 गेंद में 45 रन) और कप्तान लोकेश राहुल (27 गेंद में 39 रन) की उपयोगी पारियों से लखनऊ सुपरजायंट्स (एलएसजी) की टीम रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में लगातार विकेट गंवाने के बावजूद 7 विकेट पर 161 रन बनाए। इसके जवाब में केकेआर की ओपनिंग जोड़ी ने सधी शुरूआत की और विकेट्स को बचाते हुए साल्ट और श्रेयस अय्यर (38 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 38 रन) की बदौलत मैच को अपने नाम कर लिया। टीम ने मात्र दो विकेट गंवाए जिसमें सुनील नारायण (6) और अंगकृष रघुवंशी (7) के विकेट शामिल थे।

पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर क्विंटन डिकॉक ने मिचेल स्टार्क के

खिलाफ शुरुआती दो गेंदों में लगातार दो चौके लगाए जबकि कप्तान राहुल ने अरोड़ा की गेंद पर छक्का जड़ा। अरोड़ा ने हालांकि डिकॉक की आठ गेंद में 10 रन की पारी को खत्म कर दिया। क्रीज पर आए दीपक हुड्डा (आठ) प्रभावित करने में विफल रहे। स्टार्क की गेंद पर बैकवर्ड प्वाइंट पर रमनदीप सिंह ने उनका कमाल का कैच लपका। बडोनी ने छठे ओवर में हर्षित राणा के खिलाफ दो चौके लगा कर पिछले मैच से मिली लय को जारी रखा जिससे पावरप्ले में एलएसजी का स्कोर दो विकेट पर 49 रन हो गया।

केकेआर के गेंदबाजों ने इसके बाद कसी हुई गेंदबाजी कर राहुल और बडोनी को तेजी से रन बनाने का मौका नहीं दिया। राहुल ने 11वें ओवर में रसेल का स्वागत छक्के से किया लेकिन अगली गेंद को रमनदीप के हाथों में खेल गये। स्टोइनिस (10) ने क्रीज पर आते ही रसेल के खिलाफ दो चौके लगाये। बडोनी ने अगले ओवर में वरुण चक्रवर्ती की गेंद को दर्शकों के पास भेजा पर इस गेंदबाज की फिरकी में फंस कर स्टोइनिस विकेटकीपर फिल साल्ट के दस्तानों में गेंद दे बैठे।

पूरन ने चक्रवर्ती की फुलटॉस गेंद पर बड़ा छक्का लगाकर 14 ओवर में टीम के रनों का शतक पूरा करवाया। अगले ओवर में नारायण के खिलाफ बड़ा शॉट लगाने की कोशिश में बडोनी अंगकृष रघुवंशी को कैच दे बैठे। पूरन ने 17वें ओवर में हर्षित के खिलाफ छक्का जड़ने के बाद अरोड़ा की दो गेंदों को दर्शकों तक पहुंचाया। आखिरी ओवर में गेंदबाजी के लिए आये स्टार्क ने पूरन की आक्रामक पारी को खत्म करने के बाद अरशद खान (पांच) को बोल्ड किया। कृणाल पंड्या सात रन पर नाबाद रहे।

अभी संन्यास का इरादा नहीं : रोहित

मुम्बई । मुम्बई इंडियंस टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा ने कहा है कि वह अभी संन्यास नहीं लेंगे और खेलते रहेंगे । 36 साल के रोहित ने कहा, मैं इस समय अच्छा खेल रहा हूं और मैं कुछ और वर्षों तक इसे जारी रखने के बारे में सोच रहा हूं । मैं इस बार टी20 विश्व कप जीतना चाहता हूं । साथ ही कहा कि 50 ओवर का विश्व कप ही वास्तविक विश्व कप है । हम 50 ओवर का विश्व कप खेल देखकर बड़े हुए हैं । अगले साल 2025 में लॉर्ड्स में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल होगा और उसमें भी हमें फाइनल में पहुंचने की उम्मीद है । उम्मीद है, हम वहां पहुंचेंगे । रोहित ने टीम का नेतृत्व करने के अपने कौशल से हार्दिक को भी सहायत की है । इसी कारण मुंबई इंडियंस की कप्तानी संभालने के बाद हार्दिक के नेतृत्व में टीम खराब शुरुआत से उबरने लगी है । पहले तीन मैचों में मिली हार के बाद टीम ने पिछले दो मुकाबले जीते हैं । इसके अलावा रोहित अपने मजाकिया अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं । हाल ही में एक बार फिर इसका उदाहरण देखने को मिला जब रोहित अपनी आईपीएल टीम मुंबई की बस की ड्राइविंग टीम पर बैठे दिखे । इस दौरान रोहित ने लोगों को पीछे हटने के लिए भी कहा, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है ।

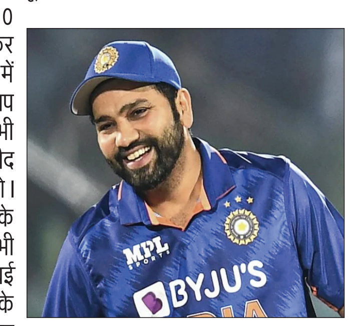

आईपीएल 2024 : पंजाब किंग्स को लगा बड़ा झटका, धवन 7 से 10 दिन के लिए बाहर

मुल्लांपुर - राजस्थान रॉयल्स से करीबी मुकाबला हारने के बाद पंजाब किंग्स के क्रिकेट विकास प्रमुख संजय बांगड़ ने संकेत दिया कि कप्तान शिखर धवन कंधे की चोट के कारण कम से कम सात से दस दिन बाहर रहेंगे । धवन रॉयल्स के खिलाफ भी नहीं खेल सके थे जिनकी जगह सैम कुरेन ने कप्तानी की थी । बांगड़ ने कहा, 'उसके कंधे में चोट लगी है और वह कुछ दिन और बाहर रहेगा । शिखर जैसा अनुभवी सलामी बल्लेबाज टीम के लिए बहुत जरूरी है ।' उन्होंने कहा, 'देखना होगा कि उपचार कैसा रहता है । इस समय तो लग रहा है कि वह कम से कम सात से दस दिन नहीं खेल सकेगा ।' सत्र की शुरूआत में कप्तानों की बैठक में पंजाब की नुमाइंदगी जितेश शर्मा ने की थी चूंकि धवन बुखार के कारण मुल्लांपुर में ही रह गए थे । इसे देखते हुए रॉयल्स के खिलाफ टॉस के लिये कुरेन का आना हैरानी भरा था लेकिन बांगड़ ने कहा कि उनकी भूमिका हमेशा से तय थी । उन्होंने कहा, 'सैम पिछले साल भी टीम की कप्तानी कर चुका है । वह ब्रिटेन से देर से आने वाला था और कुछ अभ्यास सत्र में भाग लेना चाहता था । यही वजह है कि बैठक में हमने उसकी बजाय जितेश को चेन्नई भेजा ।' धवन और जॉनी बेयरस्टो टीम को अच्छी शुरूआत नहीं दे सके हैं । धवन की जगह आए अथर्व तायडे भी कुछ नहीं कर सके ।

मिचेल मार्श हैमस्ट्रिंग की चोट का इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस लौटे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स को हरफनमौला खिलाड़ी मिचेल मार्श के दाहिनी हैमस्ट्रिंग में चोट का इलाज कराने के लिए ऑस्ट्रेलिया लौटने से बड़ा झटका लगा है। ईएसपीएन क्रिकइन्फो के अनुसार मार्श को जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए ऑस्ट्रेलिया का कप्तान बनाया जाना तय है। उन्हें दिल्ली टीम प्रबंधन के साथ परामर्श के बाद वापस बुला लिया गया। मौजूदा सत्र में हालांकि उनकी उपलब्धता पर अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। मार्श ने दिल्ली की टीम के लिए पिछला मैच कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ खेला था।

वह इसके बाद मुंबई इंडियंस और लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ टीम के पिछले दो मुकाबलों में नहीं खेल पाए थे। इस सत्र में मार्श का सर्वोच्च स्कोर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 23 रन रहा है। दिल्ली ने इस मैच को 12 रन से जीता था। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ वह खाता खोलने में नाकाम रहे थे। मार्श के अलावा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर के चोटिल होने से भी दिल्ली कैपिटल्स की परेशानी और बढ़ गयी है। टीम को अपना अगला मैच बुधवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलना है। शुक्रवार को लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ कैच पकड़ने का प्रयास करते समय वार्नर की उंगली में चोट लग गई। उनकी उंगली में सूजन थी और टीम के अहमदाबाद पहुंचने पर उनका स्कैन कराया गया।

मेस्सी के शानदार खेल से इंटर मियामी ने स्पोर्टिंग केसी को 3-2 से हराया

कैंसास सिटी । करिश्माई खिलाड़ी लियोनेल मेस्सी ने एक गोल करने के साथ एक गोल में सहायक की भूमिका निभाई जिससे इंटर मियामी सीफ ने एमएलएस (मेजर लीग सॉकर) में स्पोर्टिंग कैनसस सिटी को 3-2 से हराया । इंटर मियामी के लिए इस मैच में मेस्सी के साथ दिग्गज लुइस सुआरेज ने भी गोल किया । टीम के लिए एक अन्य गोल डिएगो गोमेज ने दागा। मेस्सी और सुआरेज जैसे बड़े खिलाड़ियों को देखने के लिए स्टेडियम में बड़ी संख्या (72,610) में प्रशंसक पहुंचे थे । एमएलएस इतिहास में तीसरी सबसे बड़ी भीड़ के सामने मेस्सी ने इस इंटर मियामी के लिए सत्र का अपना पांचवां जबकि सुआरेज ने छठा गोल किया । स्पोर्टिंग कैनसस सिटी के लिए दोनों गोल एरिक थॉमी (छठा और 58वां मिनट) ने किए ।

जेक फ्रेजर ये सिर्फ ट्रेलर..... संकट में आया गिल का रिकॉर्ड

लखनऊ (एजेंसी)। दिल्ली कैपिटल्स के लिए 22 साल के जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए आईपीएल डेब्यू किया। जेक फ्रेजर को आईपीएल नीलामी में अनसोल्ड रहने के बाद रिप्लेसमेंट खिलाड़ी को रूप में दिल्ली ने अपने साथ जोड़ा था। अपने आईपीएल करियर की दूसरी ही गेंद पर जेक फ्रेजर ने छक्के से अपना खाता खोला। उनका दूसरा स्कोरिंग शॉट भी छक्का था। उनका दूसरा छक्का 96 मीटर लंबा था।

युवा विदेशी बल्लेबाजों के लिए भारतीय सरजमीन पर में आकर रन बनाना इतना आसान नहीं होता। कई बल्लेबाज आते हैं लेकिन स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट जाते हैं। लेकिन जेक फ्रेजर के साथ ऐसा नहीं है। उन्होंने आईपीएल के सबसे कंजूस गेंदबाजों में शामिल क्रुणाल पंड्या की ही खबर ले ली। क्रुणाल के खिलाफ हैट्रिक छक्का जड़ने के साथ ही उन्होंने सिर्फ 31 गेंदों पर डेब्यू मैच में ही फिफ्टी ठोक दी।

जेक फ्रेजर ने 35 गेंदों पर 55 रनों की पारी खेली, जिसकी हर जगह चर्चा हो रही है। लेकिन यह सिर्फ ट्रेलर है। मैकगर्क इससे कहीं ज्यादा खतरनाक बैटिंग कर सकते हैं। प्रोफेशनल क्रिकेट का सबसे तेज शतक लगाने का रिकॉर्ड मैकगर्क के ही नाम है। उन्होंने सिर्फ 29 गेंदों पर ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में शतक ठोका था। उसके पहले सबसे तेज शतक का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम था। गेल ने आईपीएल में 30 गेंदों पर सेंचुरी ठोकी थी। अब उनके आईपीएल में आने

यह यह रिकॉर्ड भी खतरे में है। लखनऊ की पिच पर गेंदबाजों के लिए भी मदद थी। इसके बाद भी मैकगर्क ने तेजी से रन बनाए।

ओलंपिक क्वालीफायर के लिए पंघाल पुरुष मुक्केबाजी टीम में शामिल

नई दिल्ली । मुक्केबाज अमित पंघाल को बैंकाक में अगले माह 25 मई से दो जून तक होने वाले आंखिरी ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिये भारतीय मुक्केबाजी टीम में शामिल किया गया है । अब पंघाल के पास दूसरे ओलंपिक में जगह बनाने का ये अंतिम अवसर है । पंघाल के अलावा राष्ट्रीय चैम्पियन सचिन सिवाच 57 किलो को भी टीम में शामिल किया गया है । वहीं अबिनाश जामवाल 63.5 किलो वर्ग में शिव थापा की जगह खेलेंगे जबकि अभिमन्यु लाउरा को 80 किलो में लक्ष्य की जगह शामिल किया गया है । अभी तक भारत के किसी भी पुरूष मुक्केबाज ने ओलंपिक कोटा हासिल नहीं किया है केवल महिला वर्ग में निकहत जरीन 50 किलो, प्रीति पंवार 54 किलो और परवीन हुड्डा 57 किलो व लवलीना बोरगोहेन 75 किलो ने ही ओलंपिक कोटा हासिल किया है । दूसरी ओर महिला वर्ग से अंकुशिता बोरो 60 किलो, अरूंधति चौधरी 66 किलो वर्ग में शामिली की गयी हैं ।

पुरूष - अमित पंघाल (51 किलो), सचिन सिवाच जूनियर (57 किलो), अबिनाश जामवाल (63.5 किलो), निशांत देव (71 किलो), अभिमन्यु लाउरा (80 किलो), संजीत (92 किलो) और नरेंदर बरवाल (प्लस 92 किलो)

महिला - अंकुशिता बोरो (60 किलो), अरूंधति चौधरी (66 किलो)

टी20 विश्व कप के लिए टीम में कौन होगा विकेटकीपर..इस ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर ने दी राय

मुंबई (एजेंसी)। आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज जगह बनाने के लिए छह खिलाड़ी दावेदार हैं। फिलहाल मौजूदा आईपीएल में सभी दावेदार फॉर्म दिखा रहे हैं, उस हिसाब से ऋषभ पंत, संजू सैमसन और इशान किशन के बीच बड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी हो गई है। बीसीसीआई ने अप्रैल के अंत तक आईसीसी प्रतियोगिता के लिए15 सदस्यीय टीम की घोषणा करनी है। इसके बाद माना जा रहा है कि इन तीनों में से किसी एक को ही टीम में जगह मिलेगी। वहां किस्मत वाला प्लेयर कौन हो सकता है, इस पर ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर एडम गिलक्रिस्ट ने अपनी राय रखी है।

गिलक्रिस्ट का मानना है कि बाएं हाथ के बल्लेबाज पंत को विश्व कप टीम में निश्चित रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि पंत निश्चित रूप से टीम में होगा। और मैं संजू सैमसन को भी लूंगा। किशन बहुत अच्छे मामले को आगे बढ़ा रहे हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है। लेकिन मुझे लगता है कि पंत, अगर वह लॉक इन नहीं हैं, तब उन्हें लॉक इन किया जाना चाहिए।

बता दें कि राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन 157.69 की स्ट्राइक रेट से 246 रन और तीन अर्द्धशतक के साथ इन संभावित खिलाड़ियों में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। गिलक्रिस्ट ने स्वीकार किया कि ईशान 182.39 की स्ट्राइक रेट से 161 रन बनाकर मजबूत दावा पेश कर रहे हैं, जिसमें

गुरुवार को आरसीबी के खिलाफ 34 गेंदों में 69 रन की पारी भी शामिल है।

इन तीनों के अलावा केएल राहुल, जितेश शर्मा और ध्रुव जुरेल सभी विश्व कप टीम में दो कीपिंग पोजीशन के लिए दावेदार थे। जितेश आगे थे क्योंकि वह नवंबर के बाद से 11 में से 7 टी20 खेल चुके हैं। लेकिन आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए वह प्रभावी प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। इसी तरह ज्यूरेल को राजस्थान रॉयल्स में लगातार खराब बल्लेबाजी के कारण आलोचना का शिकार होना पड़ा। केएल राहुल भी खराब स्ट्राइक रेट के कारण निशाने पर है।

विराट ऑरेंज और चहल पर्पल कैप की दौड़ में सबसे आगे

मुम्बई । आईपीएल के 2024 सत्र में अब तक सबसे अधिक रन बनाकर आरसीबी के बल्लेबाज विराट कोहली ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे हैं । राजस्थान रॉयल्स के रियान पराग और संजू सैमसन दूसरे व तीसरे नंबर पर हैं । दूसरी ओर पर्पल कैप को लेकर राजस्थान रॉयल्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल और मुम्बई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के बीच कड़ा मुकाबला है । पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच मैच के बाद एक बार फिर चहल ने पर्पल कैप के लिए अपनी दावेदारी बढ़ा दी है । चहल ने पंजाब के खिलाफ एक विकेट लेकर आईपीएल सत्र में इस बार सबसे ज्यादा विकेट लिए हैं । वहीं गुमराह अब दूसरे नंबर पर फिसल गये हैं । लिस्ट में पहला स्थान हासिल किया है । उन्होंने इस लिस्ट में मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़ा है । वहीं ऑरेंज कैप पर अभी भी विराट का कब्जा है । विराट 319 रनों के साथ इस सूची में नंबर एक स्थान पर हैं ।वहीं रियान पराग 284 रनों के साथ दूसरे जबकि सैमसन 264 रनों के साथ तीसरे पायदान पर पहुंच गए हैं ।

नारायण और राम में कोई अंतर नहीं

नारायण और राम दोनों वास्तव में एक ही हैं, मात्र नामों का अंतर है। नारायण संस्कृत का शब्द है। राम का अर्थ क्या है? एक अर्थ है रमंते योगिनः यस्मिन रामः। अर्थात् राम ही मात्र एक ऐसे विषय है जो योगियों के आध्यात्मिक मानसिक आभोग हैं, मानसाध्यात्मिक भोजन है, मानसाध्यात्मिक आनंद और प्रसन्नता के स्रोत हैं।

एक कहानी है कि किसी ने हनुमान से कहा, हनुमान, तुम एक भक्त हो और जानते हो कि मूलतः नारायण और राम में कोई अंतर नहीं है। तब तुम सर्वदा राम का ही नाम लेते हो, कभी नारायण का नाम नहीं लेते हो जबकि दोनों मूलतः एक ही हैं।

राम का दूसरा अर्थ है, राति महीधरः रामः। रति का प्रथम अक्षर र है और महीधर का प्रथम अथर म, राम। रति महीधरः, संपूर्ण विश्व की सर्वश्रेष्ठ ज्योतित सत्ता है, जिनसे सभी ज्योतित (प्रकाशित) सत्ताएं ज्योति प्राप्त करती हैं। चन्द्रमा पृथ्वी से ज्योति प्राप्त करती है, पृथ्वी सूर्य से ज्योति प्राप्त करती है और सूर्य परम पुरुष से ज्योति प्राप्त करते हैं। वे ही वह सर्वोच्च सत्ता है जो दूसरों को प्रकाशित करते हैं। वह सर्वोच्च प्रकाशमान सत्ता कौन हैं? परम पुरुष ही सर्वोच्च ज्योतित सत्ता हैं। राति महीधरः का तात्पर्य है, मात्र परम पुरुष, कोई अलग सत्ता नहीं, कोई अन्य सत्ता नहीं। राम का तीसरा अर्थ है, रावणस्य मरणं रामः। रावण शब्द का प्रथम अक्षर है रा और मरणं का प्रथम अक्षर है म। राम-राम अर्थात वह सत्ता जिसके चाप से रावण मर जाता है। अस्तु, रावणस्य मरणं, रावण की मृत्यु कहां होती है, कब होती है? जब कोई राम की शरण में जाता है तो रावण मर जाता है। अतः रावणस्य मरणं राम, जो परम पुरुष, राम, चिति सत्ता की शरण में चला जाता है, वह रावण रूपी राक्षस का नाश कर सकता है। रावणस्य मरणं का तात्पर्य सर्वोच्च चितिसत्ता। अतः राम और नारायण में कोई अंतर नहीं है। तुम्हें अधिकाधिक सचाई के साथ अपनी सम्पूर्ण मानसिक वृत्तियों को समाहृत करते हुए बिंदुभूत रूप में अपने लक्ष्य परम पुरुष की ओर चलना चाहिए। अपितु, सभी मानसिक वृत्तियों को सूई की नोक (सूच्यग्र) के समान एकाग्र करते हुए अपने मैं भाव को मात्र उस एक तत्व की ओर, बिना किसी अन्य रूप, नाम, वर्ण अथवा विषय पर ध्यान दिए तुम्हें परिचालित करना चाहिए। इसीलिए हनुमान कहते हैं, श्रीनाथे जानकी नाथे। श्री शब्द का योगारूढ़ार्थ है, वह सत्ता जो रजोगुणी शक्ति की अधिष्ठान है, जो शक्ति से पूर्ण है। श्रीनाथ, श्री के मालिक नारायण हैं और जानकी अर्थात् सीता के मालिक (पति) हैं राम। सीता में सी का अर्थ है खेतों को जोतना (कल्चर), और उसका विशेषण वाची शब्द है सीता अर्थात् पूर्ण संस्कारित। यह संस्कार आता कहां से है? कौन इस संस्कार (संस्कृति) का मालिक है? इस संस्कार (संस्कृति) का कौन प्रेरणास्रोत अथवा सहायक है? परम पुरुष, श्रीनाथ अथवा जानकीनाथ का तात्पर्य है, उन्हीं परम पुरुष से। इसीलिए श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। हनुमान कहते हैं, मैं इसे जानता हूं कि आध्यात्मिकता, अध्यात्मवाद और आध्यात्मिक साधना विज्ञान की भी दृष्टि से श्रीनाथ और जानकीनाथ में कोई अंतर नहीं है। तथापि मम सर्वस्वः रामः कमललोचनः।

अस्तु, मन की सम्पूर्ण वृत्तियों को एक ही तत्त्व की ओर परिचालित करो, एक नाम का उपयोग करो, मात्र अपने इष्ट मंत्र का उपयोग करो और किसी अन्य मंत्र का उपयोग मत करो। हनुमान इसीलिए कहते हैं, मैं मात्र राम का नाम जपता हूं। कभी भी नारायण का नाम नहीं जपता। मैं नहीं जानता कि और नारायण हैं कौन? प्रत्येक साधक को जानना चाहिए कि संपूर्ण विश्व में मात्र एक ही मंत्र है और वह है उसका इष्ट मंत्र। वह कोई और मंत्र जानता ही नहीं है।

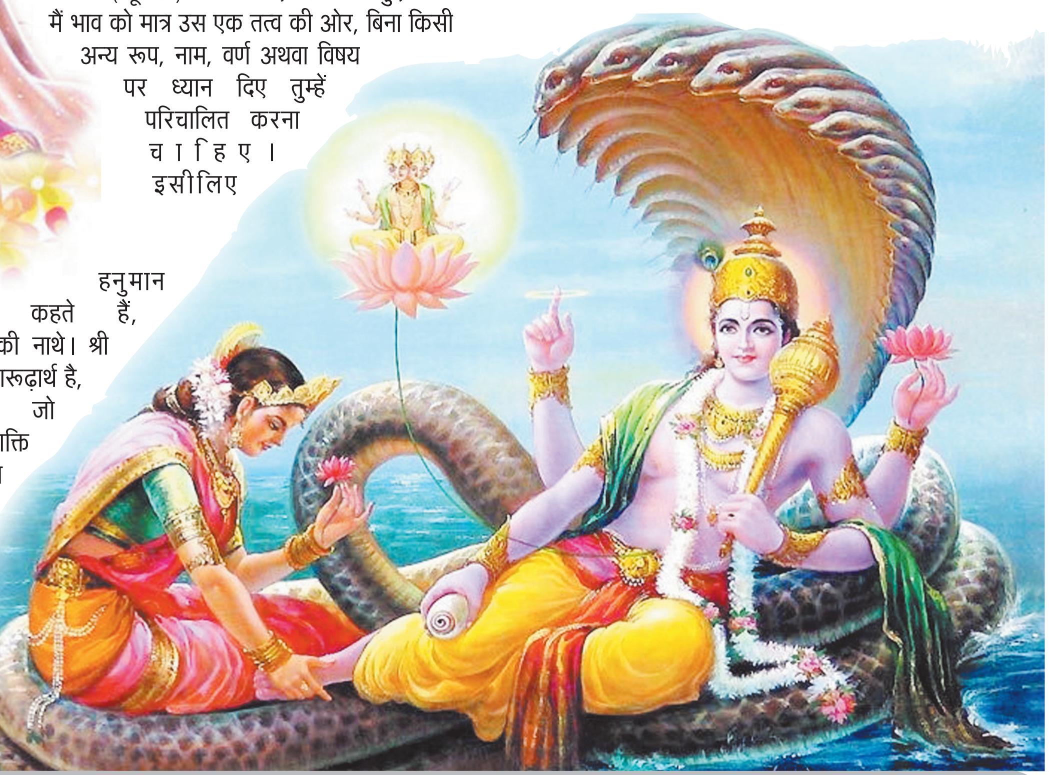

जब दैत्यों ने किया समुद्र मंथन के लिए मजबूर

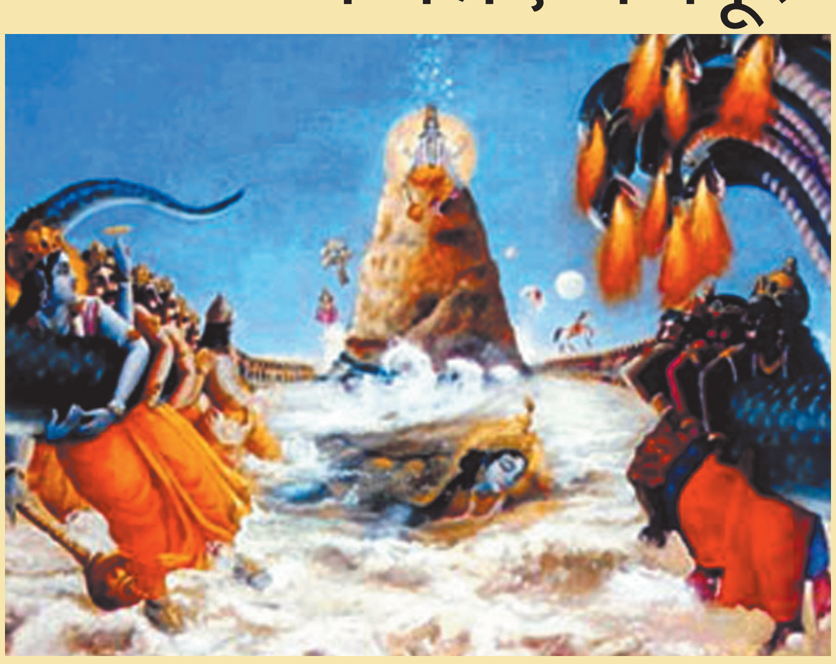

एक दिन ऐरावत पर भ्रमण करते हुए देवराज इन्द्र से मार्ग में महर्षि दुर्वासा मिले। उन्होंने इन्द्र पर प्रसन्न होकर उन्हें अपने गले की पुष्प माला प्रसाद रूप में प्रदान की। इन्द्र ने उस माला को ऐरावत के मस्तक पर डाल दिया और ऐरावत ने उसे अपनी सूंड से नीचे डालकर पैरों से रौंद दिया। अपने प्रसाद का अपमान देखकर महर्षि दुर्वासा ने इन्द्र को श्रीभ्रष्ट होने का शाप दे दिया। महर्षि के शाप से श्रीहीन इन्द्र दैत्यराज बलि से युद्ध में परास्त हो गये। दैत्यराज बलि का तीनों लोकों पर अधिकार हो गया। हारकर देवता ब्रह्मा जी को साथ लेकर भगवान विष्णु की शरण में गये और इस घोर विपत्ति से मुक्ति दिलाने की प्रार्थना की। भगवान विष्णु ने कहा कि आप लोग दैत्यों से संधि कर लें और उनके सहयोग से मंदराचल को मथानी तथा वासुकी नाग को रस्सी बनाकर क्षीरसागर का मंथन करें। समुद्र से अमृत निकलेगा, जिसे पिलाकर मैं देवताओं को अमर बना दूंगा, तभी देवता दैत्यों को पराजित करके पुनः स्वर्ग को प्राप्त कर सकेंगे।

इन्द्र दैत्यराज बलि के पास गये और अमृत लोभ से देवताओं और दैत्यों में संधि हो गयी। देवताओं और दैत्यों ने मिलकर मंदराचल को उठाकर समुद्र तट की ओर ले जाने का प्रयास किया, किंतु असमर्थ रहे। अंत में स्मरण करने पर भक्त भयहारी भगवान पधारे। उन्होंने खेल खेल में ही भारी मंदराचल को उठाकर गरुण पर रख लिया और क्षणमात्र में क्षीरसागर के तट पर पहुंचा दिया। मंदराचल की मथानी और वासुकी नाग की रस्सी बनाकर समुद्र मंथन प्रारम्भ हुआ। भगवान ने मथानी को धंसते हुए देखकर स्वयं कच्छप रूप में मंदराचल को आधार प्रदान किया। मंथन से सबसे पहले विष प्रकट हुआ, जिसकी भयंकर ज्वाला से समस्त प्राणियों के प्राण संकट में पड़ गये। लोक कल्याण के लिए भगवान शंकर ने विष का पान किया। इसके बाद समुद्र से लक्ष्मी, कौस्तुभ, पारिजात, सुरा, धन्वन्तरि, चंद्रमा, पुष्पक, ऐरावत, पांचजन्य, शंख, रम्भा, कामधेनु, उच्चैः श्रवा और और अमृत कुंभ निकले। अमृत कुंभ निकलते ही धन्वन्तरि के हाथ से अमृतपूर्ण कलश छीनकर दैत्य लेकर भागे, क्योंकि उनमें से प्रत्येक सबसे पहले अमृतपान करना चाहता था।कलश के लिए छीना झपटी चल रही थी और देवता निराश खड़े थे। अचानक वहां एक अद्वितीय सौन्दर्य से भरपूर नारी प्रकट हुई। असुरों ने उसके सौंदर्य से प्रभावित होकर उससे मध्यस्थ बनकर अमृत बांटने की प्रार्थना की। वास्तव में भगवान ने ही दैत्यों को मोहित करने के लिए मोहिनी रूप धारण किया था। मोहिनी रूप धारी भगवान ने कहा कि मैं जैसे भी विभाजन का कार्य करूं, चाहे वह उचित हो या अनुचित, तुम लोग बीच में बाधा उत्पन्न न करने का वचन दो तभी मैं इस काम को करूंगी। सभी ने इस शर्त को स्वीकार किया। देवता और दैत्य अलग अलग पंक्तियों में बैठ गये। जिस समय भगवान मोहिनी रूप में देवताओं को अमृत पिला रहे थे, राहु धैर्य न रख सका।

वह देवताओं का रूप धारण करके सूर्य-चंद्रमा के बीच बैठ गया। जैसे ही उसे अमृत का घूंट मिला, सूर्य-चंद्रमा ने संकेत कर दिया। भगवान मोहिनी रूप का त्याग करके शंख चक्रधारी विष्णु हो गये और उन्होंने चक्र से राहु का मस्तक काट डाला। असुरों ने भी अपना शस्त्र उठाया और देवासुर संग्राम प्रारम्भ हो गया। अमृत के प्रभाव से तथा भगवान की कृपा से देवताओं की विजय हुई और उन्हें अपना स्वर्ग वापस मिल गया।

युगों-युगों के लिए आदर्श भाई बन गए भरत

श्रीराम वनवास के बाद महाराज दशरथ ने उनके वियोग में अपना प्राण त्याग दिया। फिर गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश से उनके शरीर को सुरक्षित रख दिया गया और ननिहाल से भरत और शत्रुघ्न को बुलाने के लिए शीघ्रगामी दूत भेजे गये। भरतजी के ननिहाल से लौटने के बाद कैकेयी ने उन्हें प्रेमपूर्वक गले से लगाया और उनसे अपने पिता, भाई और माता की कुशल क्षेम पूछी। महाराज दशरथ को कैकेयी के महल में न देखकर भरत ने पूछा, मां तुम यहां अकेली बैठी हो, तुम्हारे बिना तो पिताजी एकांत में कभी नहीं रहते थे। भईया श्रीराम भी नहीं दिखाई दे रहे हैं। कारण क्या है उन्हें नहीं देखकर मुझे दुख हो रहा है।

कैकेयी ने कहा कि पुत्र तुम्हारे लिये भय और दुख की कोई बात नहीं है। मैंने महाराज से पूर्व वर के अनुसार तुम्हारे लिये राज्य तथा श्रीराम के लिये चौदह वर्षों का वनवास मांग लिया। श्रीराम के वनवास से दुखी होकर तुम्हारे पिता मृत्यु को प्राप्त हुए। कैकेयी के इस कुकृत्य को सुनकर भरत शोक समुद्र में डूब गये। उन्होंने कैकेयी से कहा, %अरी पापिनी, तू बात करने योग्य नहीं है। तू अपने पति की हत्या करने वाली हत्यारिणी है और तेरे गर्भ से जन्म लेने के कारण उस महापाप का मैं भी भागीदार हूं। मैं तेरा मुंह भी नहीं देखना चाहता। अतः तू मेरे सामने से तत्काल हट जा। कैकेयी के कुकृत्य की निंदा करने के बाद भरत माता कौशल्या के पास गये और उन्हें विभिन्न प्रकार से सांत्वना दी। उसके बाद उन्होंने गुरुदेव वसिष्ठ की आज्ञानुसार महाराज दशरथ का विधिवत अंतिम संस्कार किया तथा पिता के उद्देश्य से ब्राम्हणों को अनेक प्रकार का दान

दिया। गुरुदेव वसिष्ठ के आदेश और माता कौसल्या के अनुरोध के बाद भी भरत ने राज्य लेना अस्वीकार कर दिया तथा सबको साथ लेकर श्रीराम को मनाने के लिए पैदल ही चित्रकूट चल दिये। मार्ग में निषादराज गुह और श्रीभरद्वाज जी से मिलते हुए भरतजी चित्रकूट पहुंचे। वहां उन्होंने दूर्वादल के समान श्याम शरीर और विशाल हृदय वाले श्रीराम को बैठे हुए देखा। वे श्रीजानकीजी को निहार रहे थे और श्रीलक्ष्मणजी उनके चरण कमलों में सेवा कर रहे थे। भरत पाहि नाथ कहते हुए दण्ड की भांति जमीन पर गिर पड़े और उन्होंने श्रीराम के युगल चरणों को पकड़ लिया। श्रीराम ने प्रेम से अधीर होकर उन्हें गले से लगाया। भरतजी ने श्रीराम से कहा, हे महाभाग! यह समस्त पैतृक राज्य आप ही का है। आप हमारे बड़े भाई हैं, आप हमारे पितातुल्य हैं। आप इस राज को स्वीकार करें और मेरी माता के अपराध को भुलाकर हमारी रक्षा करें।

श्रीराम ने कहा, भाई पिताजी ने मुझे चौदह वर्ष का वनवास और तुम्हें अयोध्या का राज्य दिया है। पिता के आदेश का पालन करना हम दोनों का परम धर्म है। जो मनुष्य पिता के आदेश का उल्लंघन करता है वह जीता हुआ भी मृतक के समान है। अतः तुम अयोध्या का पालन करो और मैं दण्डकारण्य में निवास करूंगा तथा वनवास से लौटने के बाद जैसा तुम चाहोगे वैसा करूंगा। इस तरह विभिन्न प्रकार से समझाकर श्रीराम ने अपनी चरण पादुकाएं श्री भरत जी को सौंप दीं। भरतजी अयोध्या लौट आये और उन पादुकाओं को सिंहासन पर स्थापित कर नंदीग्राम में तपस्वी जीवन व्यतीत करते हुए अयोध्या पर शासन करने लगे।

उंगलियां बताएंगी आपकी आर्थिक स्थिति

धन-संपत्ति का होना या आपकी जिंदगी में इसका आना काफी हद तक आपके टैलंट के साथ-साथ आपके हाथों की रेखा पर भी निर्भर करता है। आइए जानें कि उंगलियों को देख आप कैसे पता लगाएंगे कि आपकी जिंदगी में कब धनागमन होगा या फिर इन चीजों से आपका जीवन सूना रहेगा।

1. यदि आपकी कनिष्ठा उंगली और अनामिका उंगली को आपस में सटाने के बाद बीच में गैप नज़र आ रहा हो तो समझ लीजिए कि बुढ़ापे में पैसों की तंगी से आप परेशान हो सकते हैं।
2. यही गैप यदि मध्यमा और अनामिका उंगली के बीच नज़र आ रही हो तो साफ है कि युवा अवस्था में आप पैसों के संकट से जूझ सकते हैं।
3. यदि मध्यमा और तर्जनी के बीच यह गैप हो तो बचपन में जातक को आर्थिक समस्या से सामना करना पड़ सकता है।
4. यदि यह गैप किसी भी उंगली के बीच न हो तो इसका अर्थ है कि व्यक्ति जन्म भर धन-संपत्ति से परिपूर्ण रहता है।
5. यदि उंगलियों के सभी पर्व लंबे हों तो व्यक्ति धनवान होता है।
6. यदि मध्यमा उंगली के तीसरे पर्व के करीब अनामिका आकर मिल गई हो तो ऐसे लोग कलाकार, बुद्धिमान, विद्वान और विचारशील होते हैं और इस क्षेत्र में धन

कमाते हैं।
7. यदि अनामिका उंगली सीधी और लंबी है तो समझ लें कि जातक धन कमाने के मामले में काफी कुशल होता है।
8. यदि अनामिका उंगली तर्जनी के समान लंबी हो और उसका पहला पर्व चपटा हो तो व्यक्ति को खूब धन व सम्मान मिलता है।
9. यदि व्यक्ति की उंगलियों में अनामिका का तीसरा पर्व ज्यादा लंबा हो और गांठें उन्नत हों तो बिना वह किसी परेशानी के धन कमाने में लीन रहता है।
10. यदि जीवन रेखा से कई छोटी रेखाएं नज़र आएं और यह ऊपर की ओर जाती दिखे तो समझ लीजिए कि उस खास उम्र में व्यक्ति धन-संपत्ति और सम्मान पाता है।
11. यदि मस्तिष्क रेखा से कोई रेखा गुरु पर्वत की ओर जाए और उसके अंत पर क्रॉस जैसे निशान हो या फिर कोई टेढ़ी-मेढ़ी रेखा हो तो ऐसे लोगों को चाहकर भी धन पाने में सफलता नहीं मिल पाती।
12. अंगूठे के दोनों पर्व यदि कठोर और बराबर हैं तो यह धन और बिजनेस को खूब बढ़ाता है।

अंगूठा बताता है आपका व्यक्तित्व

कहते हैं अंगूठा मस्तिष्क का अहम बिंदु होता है। पुराने जमाने में किसी का अंगूठा देखकर उसकी बीमारी और उपचार के बारे में बताया जाता था। आइए, जानें कि अंगूठे का शेप क्या-क्या कहता है आपके बारे में...

- अंगूठा यदि मोटा हो तो कहते हैं ऐसे लोग बड़े ही जिद्दी स्वभाव के और भद्दे आचरण वाले होते हैं।
- अंगूठा यदि छोटा हो तो ऐसे लोग फिकल माइंड के होते हैं। पल में ये पल में वो- यह सोचने में उन्हें ज्यादा देर नहीं लगती। अंगूठा छोटा और पतला हो तो व्यक्ति की मानसिक स्थिति कमजोर और उनमें लीडिंग पावर की कमी दिखती है।
- लंबे अंगूठे वालों का व्यक्तित्व शानदार होता है। वे काफी जल्दी खुद पर कंट्रोल करना जानते हैं।
- कहते हैं कि अंगूठे के आगे का हिस्सा यदि शेप में पतला हो तो व्यक्ति बेहद होशियार, बुद्धिमान और हर बात को अलग और बेहतर तरीके से सोचने वाला और संवेदनशील होता है।
- कुछ लोगों का अंगूठा ऊपर से बिल्कुल चौड़ा सा नजर आता है। जिनका अंगूठा ऐसा हो, वह व्यक्ति प्रैक्टिकल होता है। कही अनकही बातों पर ध्यान न देते हुए वह वही करता है जो प्रैक्टिकली सही हो। हालांकि ऐसे लोग बड़ी जल्दी उत्तेजित भी हो जाते हैं।
- हममें से ज्यादातर लोगों का अंगूठा नीचे से मोटा और ऊपर थोड़ा पतला और मुड़ा होता है। लेकिन, यदि किसी का अंगूठा शेप में बिल्कुल सीधा हो तो समझ लें कि मूड खराब होने पर उन्हें समझाना किसी के बस की बात नहीं। स्वभाव से बड़े ही जिद्दी किस्म के होते हैं। लोग उनसे दूर रहना ही पसंद करते हैं।
- कुछ लोगों का अंगूठा बेहद लचीला होता है और ऐसे लोगों का स्वभाव भी काफी सॉफ्ट होता है। दोस्ती तो इनकी सबसे हो जाती है, लेकिन ऐसे लोगों पर भरोसा कोई जल्दी नहीं करता।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रूडो ने दी बैसाखी और पुथंडू की शुभकामनाएं

टोरंटो। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सिख समुदाय के लोगों को बैसाखी तथा तमिल समुदाय के लोगों को पुथंडू पर्व की शुभकामनाएं दीं हैं। उन्होंने सभी के लिए बेहतर, निष्पक्ष और अधिक समावेशी देश बनाने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया है। कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो के कार्यालय द्वारा जारी अलग-अलग शुभकामना संदेशों में प्रधानमंत्री ने सिखों को उनके फसल उत्सव बैसाखी और तमिलों को उनके नववर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। इस अवसर पर ट्रूडो ने कहा है, कि 'आज, सिख कैलेंडर के सबसे पवित्र दिनों में से एक, बैसाखी मनाने के लिए कनाडा और दुनियाभर के सिख एकजुटता के साथ आगे आएंगे। बैसाखी का त्योहार खालसा पंथ की स्थापना की याद दिलाता है और इसके साथ ही यह वसंत फसल के उत्सव का भी पर्व है।' उन्होंने कहा, कि 'सिख अपने स्थानीय गुरुद्वारों में एकत्र होंगे, नगर कीर्तनों में भाग लेंगे तथा अपनी समृद्ध विविधता और विरासत का जश्न मनाएंगे।' ट्रूडो ने कहा कि कनाडा इस साल अप्रैल माह में सिख विरासत माह का पांचवां वार्षिकोत्सव मना रहा है। इसी प्रकार कनाडा के पीएम ट्रूडो ने तमिल समुदाय के लोगों को भी नए साल की शुरुआत पर शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने अपने संदेश में कहा, कि 'यह पिछले वर्ष के प्रति आभार व्यक्त करने तथा नई आशा और उत्साह के साथ एक नई शुरुआत करने का अवसर है।

बैसाखी पर 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री पाकिस्तान पहुंचे

लाहौर। वार्षिक बैसाखी उत्सव में भाग लेने के लिए तकरीबन 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री वाघा सीमा के रास्ते होते हुए शनिवार को लाहौर पहुंचे हैं। आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार भारतीय सिख तीर्थयात्री यहां बैसाखी उत्सव में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री एवं पाकिस्तानी गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के अध्यक्ष सरदार रामश सिंह ओरारा ने इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के अतिरिक्त सचिव राणा शाहिद और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वाघा सीमा पर भारतीय सिख तीर्थयात्रियों का स्वागत किया है। ईटीपीबी के प्रवक्ता अमीर हाशमी ने इसकी जानकारी देते हुए कहा, कि गुरुद्वारा पंजा साहिब, हसनअबदाल में बैसाखी उत्सव में शामिल होने के लिए तकरीबन 2,400 भारतीय सिख तीर्थयात्री यहां पहुंचे हैं। हाशमी ने कहा कि उत्सव का मुख्य कार्यक्रम रविवार को हो रहा है, जिसमें 11,000 से अधिक स्थानीय और विदेशी सिख तीर्थयात्री पंजा साहिब में जुटने के लिए पहुंचे हैं।

ईरान से पाकिस्तान जा रही मालगाड़ी अचानक पटरी से उतरी, यातायात हुआ वाधित

कराची। ईरान के सीमावर्ती शहर ताफ्तान से रसायन लेकर पाकिस्तान आ रही एक मालगाड़ी बलूचिस्तान प्रांत में पटरी से अचानक उतर गई। इस कारण रेल यातायात बाधित हुआ है। इससे दोनों ही देशों के बीच रेल परिचालन भी ठप हो गया है। बताया जा रहा है कि यह रेल हादसा शनिवार को बलूचिस्तान के तोजगी स्टेशन के समीप हुआ है। पाकिस्तान रेलवे के प्रवक्ता आमिर बलूच ने पत्रकारों को बताया, कि 'ताफ्तान से करीब 70 किलोमीटर दूर रेलगाड़ी पटरी से उतरी है, ऐसे में किसी आतंकी हमले की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता है। बताया गया है कि यह मालगाड़ी ईरान से फॉस्फोरस और अन्य रसायन लेकर पाकिस्तान आ रही थी, घटना से रेल इंजन को काफी नुकसान पहुंचा है। यहां यह भी बतलाते चलें कि इस रेल हादसे से पहले शुक्रवार रात प्रांत में ही नोशकी राजमार्ग पर आतंकवादियों ने पंजाब प्रांत के नौ मजदूरों का एक यात्री बस से अपहरण कर हत्या कर दी थी। मजदूरों की हत्या करने से पहले आतंकवादियों ने उनके राष्ट्रीय पहचान पत्र से उनकी पहचान भी की थी। इसके अतिरिक्त आतंकवादियों ने एक निजी वाहन में सवार 2 अन्य लोगों की भी गोली मारकर हत्या कर दी थी। ऐसे में दूसरे दिन हुआ रेल हादसा किसी आतंकी साजिश का हिस्सा भी हो सकता है, जिससे पुलिस इंकार भी नहीं कर रही है।

सीडनी में चाकू से हमला कर 6 की हत्या करने वाले की हुई पहचान

सिडनी। सिडनी के एक भीड़भाड़ वाले शॉपिंग सेंटर में चाकू से हमला कर 6 लोगों की हत्या करने वाले हमलावर की पहचान पुलिस ने कर ली है। न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) पुलिस ने यह दावा करते हुए रविवार को बताया कि शहर के बॉण्डी जंक्शन में वेस्टफील्ड शॉपिंग सेंटर में शनिवार दोपहर को किए गए हमले के लिए जोएल कॉची (उम्र 40) जिम्मेदार है। एक पुलिस अधिकारी ने इस घटना के बाद उसे गोली मारकर ढेर कर दिया था। एनएसडब्ल्यू के सहायक पुलिस आयुक्त एंथनी कुक ने पत्रकारों को बताया कि घटना को अंजाम देने वाला कॉची मानसिक रूप से बीमार था और पुलिस जांचकर्ता इसकी आतंकवादी घटना के तौर पर जांच नहीं कर रहे हैं। हालांकि, अभी यह पता नहीं चल सका है कि कॉची को किस प्रकार की मानसिक बीमारी थी। शनिवार को किए गए हमले में घटनास्थल पर अकेले मौजूद एक महिला पुलिस अधिकारी एमी स्कॉट ने कॉची को भी मार गिराया था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान बताया कि पुलिस अधिकारी 'निश्चित तौर पर एक हीरो' की भूमिका में हैं जिनकी कार्रवाई ने कई और लोगों की जान बचाई है।

भारतीय कैदी सरबजीत सिंह के हत्यारे की पाकिस्तान में गोली मारकर हत्या

नयी दिल्ली। पाकिस्तान की जेल में भारतीय कैदी सरबजीत सिंह की हत्या के आरोपी एवं आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के करीबी सहयोगी आमिर सरफराज ताम्बा की रविवार को लाहौर में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि ताम्बा पर मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने पाकिस्तान में लाहौर के इस्लामपुरा इलाके में हमला किया और उसे नाजुक हालत में एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई। कड़ी सुरक्षा वाली कोट लखपत जेल के अंदर, ताम्बा सहित अन्य कैदियों द्वारा किए गए बर्बर हमले के कुछ दिनों बाद सिंह (49) की दो मई 2013 की सुबह लाहौर के जिन्ना अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी। हमले के बाद, करीब एक हफ्ते तक सिंह अचेत रहे थे। ताम्बा का जन्म 1979 में लाहौर में हुआ था और वह लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक का करीबी सहयोगी है। पाकिस्तानी कैदियों के एक समूह ने सिंह पर ईंट और लोहे की छड़ों से हमला किया था। सिंह को 1990 में पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कई बम विस्फोटों में संलिप्त रहने का कथित तौर पर दोषी पाया गया था और उन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी।

मार्कोस को उम्मीद, फिलीपींस, अमेरिका और जापान का मिलाना दक्षिण चीन सागर में बदलाव लगाया

टोकियो । फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर ने कहा कि फिलीपींस, अमेरिका और जापान का एक सहयोग समझौता दक्षिण चीन सागर और क्षेत्र में गतिशीलता को बदल देगा, जबकि उन्होंने चीन को आश्वस्त करने की कोशिश की कि यह कोई लक्ष्य नहीं है। मार्कोस ने राष्ट्रों के पहले त्रिपक्षीय शिखर सम्मेलन में राष्ट्रपति जो बाइडेन और जापानी प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा से मुलाकात के बाद कहा कि मुझे लगता है कि त्रिपक्षीय समझौता बेहद महत्वपूर्ण है।

मार्कोस ने कहा कि यह उस गतिशीलता को बदलने जा रहा है, जिसे हम इस क्षेत्र में एशिया में आसियान में दक्षिण चीन सागर के आसपास देखते हैं। तीनों नेताओं ने दक्षिण चीन सागर में चीन के खतरनाक और आक्रामक रुख पर गंभीर चिंता जाहिर की, जो चीन और अन्य देशों के बीच विभिन्न समुद्री विवादों के माध्यम से वार्षिक जहाज-जनित वाणिज्य के 3 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का माध्यम है। फिर भी, मार्कोस ने कहा कि शिखर सम्मेलन किसी भी देश के खिलाफ नहीं था, लेकिन मनीला, वाशिंगटन और टोक्यो के बीच आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया था। स्थायी मध्यस्थता न्यायालय के 2016 के फैसले के बावजूद चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर अपना दावा करता है, जिसमें पाया गया कि बीजिंग के व्यापक दावों का कोई कानूनी आधार नहीं है। फिलीपीन और चीनी जहाजों के बीच पिछले महीने में कई बार टकराव हुआ है, जिसमें वॉटर कैनन का इस्तेमाल और तीखी नोकझोंक भी शामिल है।

स्लोवेनिया के कामनिक के पास वोल्जी पोटोक आर्बोरेटम में 5 ट्यूलिप देखे गए। स्लोवेनिया के वोल्क्जी पोटोक आर्बोरेटम में वसंत के फूलों और ट्यूलिप की पारंपरिक प्रदर्शनी को आगंतुकों ने बड़े उत्साह के साथ देखा।

भारत-पाक सैनिकों ने ईद पर नहीं किया मुंह मीठा, सालों से जारी परंपरा भी टूटी

इस्लामाबाद, । भारत और पाकिस्तान के मध्य जारी तनाव के चलते दोनों देशों के सैनिकों के बीच मिठाई अदान-प्रदान भी बंद है। दरअसल खबर यह है कि इस दफा ईद के मौके पर अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात दोनों देशों के सैनिकों ने एक दूसरे को सद्भावना स्वरुप मिठाई का आदान-प्रदान भी नहीं किया है। इसके साथ ही सालों से जारी सद्भावना परंपरा भी टूट गई है।

गौरतलब है कि भारत-पाक सीमा पर भारत की ओर से सीमा सुरक्षा बल और दूसरी तरफ पाकिस्तान रेंजर्स के जवान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तैनात रहते हैं। पिछले अनेक सालों से यह परंपरा रही है कि दोनों बल धार्मिक त्योहारों एवं राष्ट्रीय उत्सवों के अवसर पर एक दूसरे को सद्भावना प्रकट करते रहे हैं। यहां यह भी बतलाते चलें कि मोदी सरकार द्वारा साल 2019 में कश्मीर से अनुच्छेद 370 खत्म करने पर पाकिस्तान ने नाराजगी जाहिर की है। इससे देशों देशों के संबंध लगातार खराब हुए हैं। इसका सबसे ज्यादा असर पिछले महीने तब देखने को मिला था, जबकि होली के अवसर पर पाकिस्तानी रेंजर्स और बीएसएफ के बीच मिठाई बितरित नहीं की गई। अब वही स्थिति ईद-उल-फितर के अवसर पर भी देखने को मिली है। सीमा पर तैनात दोनों देशों के बलों ने एक दूसरे के साथ ईद की मिठाई का आदान-प्रदान नहीं किया है। पाकिस्तान के मीडिया ने इस खबर को पाकिस्तानी रेंजर्स के सूत्रों के हवाले से साया की और बताया है कि इससे पहले बीते साल नवम्बर में दिवाली पर्व के अवसर पर दोनों देशों के सैनिकों ने एक दूसरे को मिठाई वितरित की थी। इस ईद में यह परंपरा टूट गई है।

दो मुस्लिम देशों ने इजराइल पर हुए हमले को रोकने में की मदद

– ईरान की ओर से दागे ड्रोन और मिसाइलों को रास्ते में ही मार गिराया

तेल अवीव (एजेंसी)। ईरान ने शनिवार-रविवार रात इजराइल पर हमला बोल दिया। ईरान ने सैकड़ों ड्रोन और मिसाइलों इजरायल पर दागे, जिनमें से अधिकांश को इजरायल ने हवा में मार गिराने का दावा किया है। कुछ इजरायली इलाके में गिरे हैं, जिनमें से एक इजरायली सेना के दक्षिणी बेस पर भी गिरा है। वहीं सूत्रों से जानकारी मिली है कि ईरानी हमले को रोकने के लिए दो मुस्लिम देशों ने खुलकर इजरायल का साथ दिया है और ईरानी ड्रोन और मिसाइलों को रास्ते में गिरा दिया।

एक इजरायली अखबार ने सूत्र के हवाले से बताया है कि जॉर्डन के जेट विमानों ने इजरायल की ओर आने वाले दर्जनों ड्रोन को मार गिराया। जॉर्डन का इजरायल को मदद भेजना एक बड़ा कदम है, क्योंकि अम्मान ने इसके पहले गाजा में अभियान के लिए इजरायल की भारी आलोचना की है। सूत्रों का कहना है कि ईरानी ड्रोन जॉर्डन घाटी की ओर हवा में उतारे और यरूशलम की ओर जा रहे थे उन्हें इराकी-सीरियाई सीमा के करीब रोक लिया गया। वहीं सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने चिंता व्यक्त की है और युद्ध के खतरों को रोकने के लिए सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की है। सऊदी अरब की आधिकारिक एजेंसी ने एक बयान में कहा कि अगर संघर्ष बढ़ा तो उसके गंभीर परिणाम होंगे।

इजरायली सेना के बताया है कि ईरानी ड्रोन को इजरायली हवाई क्षेत्र में पहुंचने से पहले ही मार गिराया। बयान में यह भी कहा गया है कि ड्रोन को अमेरिका और ब्रिटेन ने मार गिराया है। अमेरिकी सेना ने भी इस बात की पुष्टि की है कि उसने भी ईरानी ड्रोन को मार गिराया है। इजरायल पर हमला केवल ईरान की तरफ से नहीं बल्कि लेबनान में ईरान के प्रॉक्सी हिजबुल्लाह ने भी इजराइल पर रॉकेट दागे हैं, जबकि यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने भी इजरायल की ओर ड्रोन भेजे हैं।

ईरान की आईआरजीसी ने जॉर्डन को धमकी दी है कि अगर वह इजरायल की मदद करेगा तो उसका अगला निशाना जॉर्डन होगा। ईरान के सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि ईरान की सेना जायोनी शासन के खिलाफ हमले के दौरान जॉर्डन की गतिविधियों की सावधानीपूर्वक निगरानी कर रही है और अगर जॉर्डन इजराइल की मदद करता है तो ईरान का अगला निशाना होगा।

ईरान के कब्जे में 17 भारतीय, भारत ने किया तेहरान से सीधा संपर्क

–इजराइली जहाज को ईरान ने लिया कब्जे में

तेहरान (एजेंसी)। ईरान ने इजरायल से जुड़े एक मालवाहक जहाज को अपने कब्जे में ले लिया है, जिसमें 17 भारतीयों के होने की जानकारी दी गई है। इस सूचना के बाद से ही भारत सरकार एक्टिव हो गई है और इस मामले पर बारीक नजर रखे हुए है। भारत ने संबंधित अधिकारियों से संपर्क भी साधा हुआ है।

इजराइली मालवाहक जहाज को ईरान द्वारा कब्जे में लेने की अमेरिका ने निंदा की है। इसके साथ ही अमेरिका ने इस बात की पुष्टि भी की है कि जहाज के चालक दल में भारतीय सदस्य भी मौजूद हैं। यह संभवत- पहली दफा हो रहा जबकि जहाज पर भारतीयों की मौजूदगी की सार्वजनिक तौर पर पुष्टि की गई है। व्हाइट हाउस की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की प्रवक्ता एड्रिनी वाटसन ने अपने बयान में कहा, कि हम अंतर्राष्ट्रीय जलक्षेत्र में पुर्तकाली ध्वज वाहक, ब्रिटिश स्वामित्व वाले एमएससी एरीज पर ईरानी कब्जे की कड़ी निंदा करते हैं। इसके चालक दल में भारतीय, फिलिपिनो, पाकिस्तानी, रूसी और एस्टोनिया के नागरिक शामिल हैं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि हम ईरान से कब्जे वाले जहाज और उसमें तैनात अंतरराष्ट्रीय चालक दल को तुरंत रिहा करने का आह्वान करते हैं। बिना किसी कारण एक नागरिक जहाज को यूं जब्त करना अंतरराष्ट्रीय कानून का घोर उल्लंघन है। उन्होंने इस घटना को डकैती की श्रेणी में रखते हुए कहा कि विदेशी आतंकवादी संगठन इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कोर द्वारा यह समुद्री डकैती जैसा है।

गौरतलब है कि इससे पहले शनिवार को ईरानी मीडिया ने जानकारी देते हुए कहा था कि ईरान ने इजरायल से जुड़े एक कार्गो जहाज पर कब्जा किया हुआ है। इसका एक वीडियो भी वायरल हुआ है, जिसमें रिवॉल्यूशनरी गार्ड के कमांडो हेलीकॉप्टर से जहाज पर उतरते नजर आए हैं। यहां बतलाते चलें कि ईरान के कब्जे वाला एमएससी एरीज लंदन की कंपनी जोडियाक ग्रुप का जहाज है। पुर्तगाल का झंडा लगा यह जहाज यूएई से भारत के लिए आ रहा था, तभी ईरान द्वारा इसे अपने कब्जे में ले लिया गया। इस मामले को लेकर भारत ने सीधा तेहरान से संपर्क साधा है और पूरे मामले में कड़ी नजर बनाए हुए है।

ईरान बना सकता है परमाणु बम , मौजूद है यूरेनियम

–12 परमाणु हथियार बनाने जैसा है यूरेनियम

तेहरान (एजेंसी)। ईरान द्वारा इजरायल पर किए गए सीधे सैन्य हमले के बाद कहा जा रहा है कि ईरान के पास इतना यूरेनियम है कि वह महज छह माह के अंदर में 12 परमाणु बम बना सकता है। शनिवार देर रात ईरान ने 300 से अधिक ड्रोन से हमले करने के साथ ही मिसाइलें इजरायल पर दागीं थीं। इसमें 100 से अधिक बैलिस्टिक और 30 क्रूज मिसाइलों के साथ खतरनाक किलर ड्रोन भी शामिल थे। यह अलग बात है कि ईरान की धमकी को देखते हुए इजरायल पहले से ही हमले को नाकाम करने की पूरी तैयारी कर रखा था। ऐसे में ईरान के अधिकांश मिसाइलों और ड्रोन को इजरायल की सीमा से बाहर ही मार गिराया गया। खास बात यह रही कि हमले को रोकने इजरायल की मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन के साथ ही जॉर्डन ने भी मदद की है। इजराइल का जवाब देने के लिए ईरान के हमले ने इस इलाके में एक बड़े युद्ध की आशंका को जन्म दे दिया है, जिसके चलते दुनिया में तीसरे विश्वयुद्ध का खतरा मंडराने लगा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खतरा इसलिए भी बड़ा हो जाता है क्योंकि ईरान के पास परमाणु बम बनाने के लिए सामान तैयार रखा है। दरअसल मौजूदा साल के शुरु में ही संयुक्त राष्ट्र के हथियार पर्यवेक्षकों ने चेतावनी दी थी कि ईरान के पास 12 परमाणु बम बनाने जैया पर्याप्त यूरेनियम मौजूद है। एक रिपोर्ट में अमेरिकी भौतिक विज्ञानी और हथियार विशेषज्ञ डेविड अलब्राइट के हवाले से बताया गया है कि ईरान ने यूरेनियम का 90 प्रतिशत से अधिक संवर्धन किया हुआ है। अब ऐसे में यह एक सच्चाई है कि ईरान के वैज्ञानिकों के पास पृथ्वी पर प्रलय लाने वाले हथियार बनाने की जानकारी और सामान है। ऐसे में अमेरिकी मीडिया दावा करता है कि ईरान परमाणु बम बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है। मीडिया का दावा है कि ईरान को परमाणु बम बनाने में महज 6 माह का ही समय लगेगा। इस बात को लेकर भी चिंता जाहिर की जा रही है।

भारतीय दूतावास ने जारी किया नया परामर्श, नागरिकों से की सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की अपील

तेल अवीव/नई दिल्ली (एजेंसी)। । इजराइल में भारतीय दूतावास ने ईरान के हमलों के बाद अपने नागरिकों के लिए रविवार को एक नया ''महत्वपूर्ण परामर्श'' जारी कर उन्हें शांतचित्त रहने और सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की सलाह दी। ईरान ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए शनिवार को इजराइल पर हमला कर दिया और उस पर सैकड़ों ड्रोन, बैलेस्टिक मिसाइल तथा क्रूज मिसाइल दागीं। सीरिया में एक अप्रैल को हवाई हमले में ईरानी वाणिज्य दूतावास में दो ईरानी जनरल के मारे जाने के बाद इसने बदला लेने का प्रण लिया था।

भारतीय दूतावास ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किए 'महत्वपूर्ण परामर्श' में कहा, ''क्षेत्र में हाल की घटनाओं के मद्देनजर इजराइल में सभी भारतीय नागरिकों को शांत रहने और स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने की सलाह दी जाती है।'' उसने कहा, ''दूतावास स्थिति पर करीबी नजर रख रहा है और वह हमारे सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए इजराइली प्राधिकारियों तथा भारतीय समुदाय के सदस्यों के संपर्क में है।'' उसने भारतीय नागरिकों से पहले से उपलब्ध एक लिंक के जरिये दूतावास के साथ पंजीकरण कराने का भी अनुरोध किया है।

भारतीय दूतावास ने ईरान द्वारा प्रतिशोध में हमला किए जाने की बढ़ती आशंका के बीच शुक्रवार को भी एक परामर्श जारी कर अपने नागरिकों को ''अनावश्यक यात्रा करने से बचने, शांत रहने और स्थानीय प्राधिकारियों द्वारा जारी सुरक्षा दिशानिर्देशों का पालन'' करने की सलाह दी थी। यह पहली बार है कि इस्लामिक देश ईरान ने अपनी सरजमीं से यहूदी देश पर हमला किया है। इजराइल पर सैकड़ों मिसाइल दागे जाने के बावजूद किसी भी देश ने अभी तक अपने नागरिकों को बाहर निकालने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है। अमेरिका समेत उनमें से कुछ देशों ने परामर्श जारी किए हैं।

भारतीय सैन्यकर्मियों का दूसरा समूह मालदीव से रवाना : राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू

भारत के साथ द्विपक्षीय समझौते के तहत हेलीकॉप्टर का संचालन करने वाले भारतीय सैन्य कर्मियों का दूसरा समूह नौ अप्रैल को मालदीव से रवाना हो गया है। राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने यह घोषणा की। इस महीने के अंत में होने वाले संसदीय चुनावों से पहले सत्तारूढ़ पार्टी के उम्मीदवारों के लिए एक अभियान कार्यक्रम के दौरान मुइज्जू ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। स्थानीय मीडिया ने मुइज्जू के हवाले से कहा, ''पहली टीम जा चुकी है। नौ अप्रैल को दूसरे प्लेटफॉर्म से भी सैनिक हटा लिए गए हैं।'' एडिशन डॉट न्यूज पोर्टल' ने मुइज्जु के हवाले से अपनी खबर में कहा, ''एक ही प्लेटफार्म बचा है। जैसा कि दोनों देशों ने पहले ही हस्ताक्षर कर दिए हैं, उन्हें (बाकी भारतीय सैन्य कर्मियों को) भी 10 मई से पहले वापस बुला लिया जाएगा। वे चले जायेंगे।'' इस देश से भारतीय सैन्यकर्मियों की वापसी पर न तो मालदीव रक्षा मंत्रालय और न ही भारत ने कोई टिप्पणी की है। मालदीव सरकार के अनुसार, 88 भारतीय सैनिक मालदीव में एक हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान को संचालित करने के लिए तैनात थे। भारतीय सैनिकों का पहला समूह 11 मार्च को मालदीव से रवाना हुआ था।

ईरान के इजराइली पर हमले की भारत ने की निंदा, शांति और सुरक्षा के लिए बताया खतरा

– दोनों देशों में 22 हजार भारतीय नागरिक फंसे, भारत ने की एडवायजरी जारी

नई दिल्ली(एजेंसी)। तेल अवीव,(ईएमएस)। ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमले के जवाब में ईरान ने इजरायल पर हमला कर एक नए युद्ध की शुरुआत कर दी है। दोनों देश दशकों से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी रहे हैं। अगर यह युद्ध बढ़ता है तो खाड़ी क्षेत्र और भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। वहीं भारत ने हमले पर चिंता की है। इजरायल और ईरान के बीच शुरू हुए इस संघर्ष से हजारों भारतीयों पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

भारत ने रविवार को कहा कि वह इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष को लेकर चिंतित है। इससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है। मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि हम तनाव को तत्काल कम किये जाने, संयम बरतने, हिंसा से परहेज करने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आग्रह करते हैं। भारत हालात पर नजर रखे हुए है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में हमारे दूतावास भारतीय समुदाय के साथ संपर्क में हैं। यह जरूरी है कि क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनी रहे।

इजरायल में भारतीय दूतावास ने एडवायजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि हाल की घटनाओं को देखते हुए इजरायल में रहने वाले सभी भारतीय नागरिकों को शांत रहने और इजरायली अधिकारियों की ओर से जारी प्रोटोकॉल का पालन करें। दूतावास सभी नागरिकों के संपर्क में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इजरायल में 18 हजार भारतीय हैं। वहीं ईरान में 4 हजार भारतीय रहते हैं। ऐसे में इस संघर्ष के बीच 22 हजार भारतीय फंसे हुए हैं।

इस हमले के कारण दुनिया तीसरे विश्व युद्ध ना शुरु हो जाए इसको लेकर चिंतित है। रूस-यूक्रेन का युद्ध पहले से ही चल रहा है। इसके बाद इजरायल और हमास का संघर्ष शुरू हो गया। ऐसे में अगर एक और युद्ध शुरू होता है, तो दुनिया पर इसका बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा। हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडेन ने कहा कि आज की रात इजरायल को जीत मानना चाहिए। क्योंकि वर्तमान अमेरिकी आकलन यह है कि ईरान का हमला काफी हद तक असफल रहा और इजरायल के डिफेंस सिस्टम कारगर साबित हुए।

बता दें एक अप्रैल को सीरिया में ईरानी वाणिज्य दूतावास पर हमला हुआ था, जिसमें कई ईरानी मिलिट्री कमांडर मारे गए थे। ईरान ने कहा था कि यह हमला इजरायल ने किया था। वहीं इजरायल इस हमले से इनकार करता रहा है। ईरान हमास और हिजबुल्लाह जैसे आतंकी संगठनों को समर्थन देता है, जो इजरायल पर हमला करते हैं। ईरान के हमले के बाद अमेरिका अपने सैनिक उतार रहा है। इसके अलावा इजरायल भी ईरान पर हमला कर सकता है। अगर ऐसा हुआ तो यह दुनिया के लिए अच्छा नहीं होगा।

ट्रक पर लदे 622 किलो गांजा को एनसीबी ने किया जब्त

औरंगाबाद। औरंगाबाद में मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जीटी रोड से ट्रक पर लदे बड़ी मात्रा में गांजा को पटना की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने पकड़ा है। एनसीबी की टीम ने ट्रक चालक और सहचालक को मौके से ही गिरफ्तार किया है। ट्रक से करीब 622 किलो गांजा जब्त किया गया है। अब पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। एनसीबी के अधिकारियों ने मुफस्सिल थाना क्षेत्र में जीटी रोड से ट्रक पर लदे बड़ी मात्रा में गांजा को पटना की नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने रविवार की रात पकड़ा है। ट्रक को जप्त कर मुफस्सिल थाने में लाया गया है। एनसीबी की इस कार्रवाई से जिला पुलिस की सूचना और लोकसभा चुनाव को लेकर मादक पदार्थ और शराब के खिलाफ की जा रही नियमित कार्रवाई पर अब सवाल भी उठ रहा है। चर्चा है कि एनसीबी की टीम को गांजा की सूचना मिल गई और पकड़ भी लिया, पर जिला पुलिस की टीम को कोई जानकारी नहीं मिली। यह कार्रवाई एनसीबी की टीम ने की है, गांजा लदे ट्रक को कहां से पकड़ा गया है और किन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्रवाई के बारे में कोई विशेष जानकारी तहा पुलिस को नहीं है। सूत्रों के अनुसार पकड़े गए ट्रक चालक और सहचालक को एनसीबी की टीम अपने साथ पटना ले गई है।

डाले में बना था तहखाना- सूत्रों के अनुसार ट्रक पर लदे गांजे को ओडिशा से लाया जा रहा था। ट्रक पर प. बंगाल की नंबर प्लेट लगी हुई है। ट्रक के डाले में गांजे को छिपाने के लिए बाकायदा लोहे का एक तहखाना बनाया गया था जिसमें गांजे को छिपाकर रखा गया था।

हॉस्टल में लगी भीषण आग, कई झुलसे, 70 छात्र को बचाया

– एक छात्र खिड़की से कूदा, पैर टूटा, अस्पताल में भर्ती

कोटा। राजस्थान के कोटा शहर में एक हॉस्टल में आग लग गई जिसमें कई छात्र हॉस्टल के अंदर ही फंस गए। जिससे कई छात्र घायल हो गए। छात्र अपनी जान बचाने के लिए एक छात्र हॉस्टल की खिड़की कूद गया जिससे उसका पैर फ्रैक्चर हो गया। सूचना मिलते ही दमकलकर्मियों और पुलिस अधिकारियों की टीम घटनास्थल पर पहुंच गई और सीढ़ी के जरिए दूसरे और तीसरे माले में मौजूद 70 छात्रों को बचाया। जानकारी के अनुसार रविवार की सुबह कुन्हाड़ी इलाके के आदर्श हॉस्टल में एक ट्रांसफॉर्मर में विस्फोट होने से आग हॉस्टल लग गई। ग्राउंड फ्लोर पर लगी आग तेजी से ऊपर की ओर फैल गई जिससे हॉस्टल में मौजूद छात्रों में दहशत फैल गई। एक छात्र आग से बचने के लिए कमरे की खिड़की से कूद गया, जिससे उसका पैर टूट गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस हादसे में सात छात्र मामूली रूप से झुलस गए और उन्हें अस्पताल में उपचार के लिए भेजा गया। हॉस्टल में एक छात्र ने बताया कि आग लगने के समय सभी सो रहे थे। आग लगने का शोर सुना और बाहर भागे क्योंकि आग दूसरी मंजिल तक पहुंच गई थी। हॉस्टल में आग से बचने के कोई सुरक्षा के उपाय नहीं है। मौके पर पहुंची दमकल ने बिना आग पर काबू पा लिया, लेकिन छात्रों का सामान पूरी तरह जल गया। हॉस्टल संचालक पर असुरक्षित प्रतिष्ठानों के लिए लापरवाही का आरोप लगाया गया है। कोटा सिटी एसपी ने पत्रकारों से कहा कि सुबह के साढ़े छह बजे के लगभग लक्ष्मण विहार इलाके के एक हॉस्टल में आग लगने की सूचना मिली थी। पांच माला इस हॉस्टल में 75 कमरे हैं। हादसे के समय 70 छात्र हॉस्टल में सो रहे थे। जिन छात्रों को चोट लगी, उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। 8 छात्रों को अस्पताल भेजा गया था जिसमें से दो को भर्ती किया, बाकी को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एफएसएल की टीम इस मामले की जांच कर रही है। हॉस्टल संचालक के खिलाफ पुलिस मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छात्रों को हॉस्टल एसोसिएशन दूसरे हॉस्टल में शिफ्ट करवा रहा है। अब उनकी और अभिभावकों की काउंसलिंग की जाएगी।

सीनियर को थप्पड़ मारना गलत, कर्मचारी की सेवा बहाली रद्द

–बॉम्बे हाई कोर्ट के जज ने कहा–ट्रिब्यूनल का आदेश चौकाने वाला

मुंबई। एक कर्मचारी को अपने सीनियर को थप्पड़ मारना महंगा पड़ गया। कंपनी ने कर्मचारी को बर्खास्त कर दिया था फिर ये मामला हाईकोर्ट पहुंचा गया। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कर्मचारी द्वारा सीनियर को थप्पड़ मारने की गंभीर करतूत मानते हुए कर्मचारी की सेवा बहाली रद्द कर दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने सुपरवाइजर को थप्पड़ मारने वाले हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) के कर्मचारी की सेवा बहाल करने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने माना कि कार्यस्थल पर अनुशासन बनाए रखने के लिए बर्खास्तगी के आदेश को कायम रखना ज़रूरी है। इससे पहले सेंट्रल गवर्मेंट इंडस्ट्रियल ट्रिब्यूनल (सीजीआईटी) ने इस मामले को गंभीर मानने से इनकार कर दिया था उनका कहना था यह इतना बड़ा मामला नहीं है कि कर्मचारी को नौकरी से बर्खास्त किया जाए, क्योंकि सुपरवाइजर को कोई गंभीर चोट नहीं आई थी। मामले की विभागीय जांच निष्पक्ष तरीके से नहीं और जांच रिपोर्ट में काफी विसंगतियां मिली थीं। ट्रिब्यूनल ने कर्मचारी का एक इन्क्रीमेंट रोकने और 20त्न बैकवेज का भुगतान करने का निर्देश दिया था। इस फैसले को एचपीसीएल और कर्मचारी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी थी। बॉम्बे हाई कोर्ट के जज ने ट्रिब्यूनल के आदेश की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि प्रकरण में उसका आदेश चौंकाने वाला है। गलत हरकत करने वाले कर्मचारी के प्रति ऐसी उदारता अन्य कर्मचारियों को प्रोत्साहित करेगी। गौरतलब है कि मामले से जुड़ा कर्मचारी एचपीसीएल के उत्पादों का तापमान रिकॉर्ड करता था। लोडिंग और अनलोडिंग के लिए उत्पाद की मात्रा निर्धारित करने के लिए सटीक तापमान का रिकॉर्ड रखना महत्वपूर्ण है। कर्मचारी ने एक ट्रैक के टैंक के तापमान को 260 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया था, जो गलत था। सुपरवाइजर ने कर्मचारी को इसमें बदलाव करने को कहा, लेकिन कर्मचारी ने सुपरवाइजर की बात नहीं मानी और उसके साथ मारपीट कर दी। विभागीय जांच में कर्मचारी को अशोभनीय अचारण के लिए दोषी पाया गया और उसे नौकरी से निकाल दिया था। बॉम्बे हाईकोर्ट जज ने कहा कि आरोपी को दोष को साबित करने के लिए रिकार्ड में पर्याप्त समाग्री है और कर्मचारी की याचिका को खारिज कर दिया।

राजस्थान में बदला मौसम, आंधी बारिश से लोग हुए परेशान

– मौसम विभाग ने किया अलर्ट आज भी हो सकती है भारी बारिश

जयपुर। लोकसभा चुनाव में जैसे नेता पार्टी बदल रहे हैं वैसे ही राजस्थान के मौसम ने भी अपने रुख में बदलाव किया और आंधी–तूफान और बारिश ने लोगों को अस्त–व्यस्त कर दिया है। जयपुर समेत प्रदेश के विभिन्न इलाकों में आई आंधी और बारिश ने तापमान में गिरावट ला दी है। बीकानेर में शनिवार शाम को जोरदार बारिश से तापमान में 9.2 डिग्री की गिरावट आई। मौसम विभाग के मुताबिक यह बदलाव अभी जारी रहेगा। आज भी राजस्थान के 28 जिलों में आंधी तूफान का येलो अलर्ट जारी किया है। राजधानी जयपुर में शनिवार को दोपहर बाद मौसम ने ली। शाम को आई तेज आंधी से चारों ओर धूल का गुबार फैल गया। इससे लोगों का सड़कों पर वाहन चालकों को खासी परेशानियों का सामना करना पड़ा। राजधानी के कई इलाकों में भी हल्की बारिश हुई। इससे तापमान में खासी गिरावट आई। रात को मौसम सुहावना हो गया। वहीं बीकानेर में हुई तेज बारिश ने पूरे शहर तरबतर कर दिया। सड़कों पर पानी भर गया। लोगों को बारिश के कारण परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के बाद शहर का मौसम सुहाना हो गया और तापमान में गिरावट आई। मौसम विभाग के अनुसार शनिवार को बीकानेर के तापमान में खासी गिरावट आई। वहां तापमान 30 से 33 डिग्री के बीच दर्ज किया गया। यह सामान्य से काफी कम रहा। वहीं जयपुर, अजमेर, कोटा और जोधपुर संभाग में भी तापमान सामान्य 36 से 39 डिग्री सेल्सियस रहा। उदयपुर संभाग में भी तापमान सामान्य से नीचे रहा। वहां तापमान 35 से 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शनिवार को प्रदेश में सर्वाधिक तापमान 39.2 डिग्री सेल्सियस कोटा में दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने रविवार के लिए प्रदेश के 28 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. इनमें जयपुर, अजमेर, अलवर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, कोटा, राजसमंद, झुंझुनूं, करौली और सवाईमाधोपुर शामिल हैं। इनके अलावा जोधपुर, नागौर, सीकर, सिरोही, टोंक, उदयपुर, बाड़मेर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, पाली और श्रीगंगानगर में भी आज तेज हवाओं और बारिश की भी संभावना है।

यह घोषणा-पत्र नहीं भाजपा का जुमला पत्र है

विपक्ष ने बीजेपी के संकल्प पत्र को लेकर दी प्रतिक्रियाएं

–जिस की खुद की गारंटी नहीं उसकी गारंटी का क्या मान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने आज अपना घोषणा पत्र जारी कर दिया है। इस घोषणा पत्र को संकल्प पत्र नाम दिया गया है। भाजपा के संकल्प पत्र में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब भाजपा ने संकल्प लिया है कि 70 वर्ष की आयु से ऊपर के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के दायरे में लाया जाएगा। उन्होंने मुफ्त राशन योजना को भी अगले पांच साल तक बढ़ाने की बात कही। भाजपा ने संकल्प पत्र में ज्ञान पर फोकस किया है। जिसका अर्थ गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी शक्ति से है। भाजपा के संकल्प पत्र पर विपक्ष ने अपनी प्रतिक्रिया दी है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इस घोषणापत्र से साफ होता है कि भाजपा के पास जनता को देने के लिए कुछ नहीं है। खरगे ने कहा अपने कार्यकाल में पीएम मोदी ऐसा कोई बड़ा काम नहीं किया जिससे जनता, युवाओं, किसानों को लाभ हो, महंगाई इतनी बढ़ गई है कि उसकी उन्हें चिंता ही नहीं है। उन्होंने कहा पीएम मोदी ने पहले जो ट्रेलर बताया है उसमें ना डीजल-पेट्रोल के दामों में कमी और ना ही गैस सिलेंडर की बात की है। इससे साबित होता है कि उनके पास लोगों को देने के लिए कुछ खास नहीं है।

वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर कहा कि इससे पहले किसी भी सरकार को गोलपोस्ट बदलने की बीमारी नहीं हुई। आपने 2014 में क्या कहा, 2019 में आपने उस पर कोई हिसाब नहीं दिया। 2019 में जुमले और गोलपोस्ट और 2024 में आप 2047 के बारे में बात कर रहे हैं। भाजपा के घोषणापत्र में लिखा है कि वे 2036 ओलंपिक की मेजबानी करेंगे आपको 5 साल का हिसाब देना चाहिए। वे इतनी सफाई से झूठ बोलते हैं लेकिन अब उन्होंने इतना झूठ बोल चुके है कि कोई उन पर भरोसा नहीं करता है। पवन खेड़ा ने कहा कि पीएम मोदी ने एक इंटरव्यू में कहा था कि मैं अपने बाल सफेद करता हूं, हुजूर आप सिर्फ बाल सफेद नहीं करते हैं, आप झूठ भी बड़े सफेदपोश ढंग से पेश करते हैं।

भाजपा के जारी संकल्प पत्र पर म.प्र. कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा ने संविधान को कमजोर किया है। भाजपा सांसद ने कह रहे हैं कि 400 सीटें चाहिए, संविधान बदलना है। उन्होंने भारत को किसानों की हत्या में प्रथम देश बनाया, पीएम मोदी ये बताना नहीं चाहते कि हमारा देश दुनिया में सबसे ज्यादा कर्जदार हो गया है। वह जो बोलते हैं वो करते ही नहीं, ये मोदी की गारंटी है जो बोला झूठ बोला। झूठ की गारंटी, मोदी की गारंटी।

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने भाजपा के घोषणा पत्र को लेकर कहा कि इस पर सिर्फ हंस सकते हैं कोई प्रतिक्रिया नहीं दे सकते। पीएम मोदी ने 2014 में खुद कहा था कि 15 लाख रुपये सबके खाते में डालेंगे लेकिन हुआ क्या? पिछले 10 सालों में तीन गुना बेरोजगारी बढ़ गई। तिवारी ने आगे कहा कि आज किसी की साख खत्म हुई है तो वो खुद पीएम मोदी की हुई है। उन्होंने कहा कि जिस आदमी की खुद की गारंटी नहीं है उसकी गारंटी का क्या मान होगा?

आम आदमी पार्टी (आप) नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री आतिशी ने कहा कि आज भाजपा ने घोषणापत्र नहीं बल्कि जुमला पत्र जारी किया है। क्योंकि 10 साल सरकार चलाने के बाद भी वे अपने एक भी वादे को पूरा नहीं कर पाए हैं बल्कि 25त्न युवा बेरोजगार हैं, महंगाई चरम पर है। आज एक आम परिवार के लिए घर चलाना कितना मुश्किल हो गया है। जितना खर्चा पूरे देश में आयुष्मान भारत योजना पर हुआ है वो दिल्ली के स्वास्थ्य बजट से भी कम है। पहले भी ऐसे ही जुमला पत्र में कहा गया था कि किसानों की आय दोगुना करेंगे। आज वो वादा गायब हो गया। इस घोषणा पत्र में एमएसपी कानून की बात तक नहीं की गई है। यह घोषणा पत्र नहीं भाजपा के झूठ का जुमला पत्र है।

अब तक आठ लाख युवाओं को दी सरकारी नौकरी : नीतीश

– एनडीए प्रत्याशी मांझी को जिताने का लोगों से किया आह्वान

गया। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने लोकसभा चुनाव के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के प्रत्याशी जीतनराम मांझी के पक्ष में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2020 से अब तक लाखों युवाओं को सरकारी नौकरियां दी गईं जबकि एक लाख खाली पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार ने 2005 में सत्ता में आने के बाद से बिहार में आठ लाख युवाओं को सरकारी नौकरियां दी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार युवाओं को सरकारी नौकरी देने के साथ–साथ उनके लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के बिहार में दी गई नौकरियों का श्रेय लेने पर कहा कि आरजेडी कुछ महीनों तक उनकी सरकार का हिस्सा था लेकिन कोटे के मंत्री भ्रष्टचार में लिप्त होने के कारण उन्होंने आरजेडी से छुटकारा पा लिया है। सीएम नीतीश ने कहा कि आरजेडी शासन के दौरान कानून–व्यवस्था पूरी तरह से खत्म हो गई थी। अपराधियों द्वारा हमला किए जाने के डर से शाम को कोई भी अपने घर से बाहर नहीं निकलता था। उन्होंने लोगों से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी जीतनराम मांझी को भारी मतों से विजयी बनाने का आह्वान किया और कहा कि केंद्र बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए हर संभव मदद कर रहा है।

केजरीवाल ने बाबा साहब की जयंती को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाने का आह्वान किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी बाबा साहब की जयंती (14 अप्रैल) को संविधान बचाओ दिवस के रूप में मनाने वाली है। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने जेल से संदेश भेज कर यह आह्वान किया है। आम आदमी पार्टी ने इस आयोजन को एतिहासिक सफल बनाने की तैयारियां पूरी कर ली है। आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक एवं कैबिनेट मंत्री गोपाल राय ने बताया कि देश के 24 राज्यों की राजधानी में यह आयोजन किया जाएगा। दिल्ली में पार्टी मुख्यालय पर सुबह 11 बजे सभी मंत्री, विधायक समेत पदाधिकारी एकत्र होंगे और बाबा साहब के संविधान की मूल भावना प्रस्तावना को एक साथ पढ़कर शपथ लेंगे।

आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने पार्टी मुख्यालय पर प्रेस वार्ता में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के संदेश के मुताबित पार्टी ने ये निर्णय लिया था कि 14 अप्रैल को बाबा साहब डॉ। भीमराव अंबेडकर के जन्मदिन के अवसर पर पूरी पार्टी देशभर में संविधान बचाओ दिवस मनाएगी। अरविंद केजरीवाल ने ये संदेश भेजा था कि सरकार हमारे और हमारी पार्टी के ऊपर जितनी भी ज्यादतियां और अत्याचार कर रही है, वो हम सब बर्दाश्त करेंगे। इस समय पूरा देश लोकसभा चुनाव के दौर से गुजर रहा है। ये बहुत ही संवेदनशील समय है, जिस तरह से सरकार इस देश के अंदर संविधान के मूल्यों पर हमला कर रही है। ऐसे में अगर संविधान को बचाना है तो आज पूरे देश के लोगों को एकजुट होकर खड़े होना पड़ेगा।

उन्होंने आगे कहा कि पार्टी ने निर्णय लिया है कि 14 अप्रैल को देशभर में सभी राज्यों की राजधानियों में संविधान बचाओ, तानाशाही हटाओ का शपथ समारोह आयोजित किया जाएगा। दिल्ली में ये शपथ समारोह सुबह 11 बजे आम आदमी पार्टी के मुख्यालय में आयोजित होगा, जहां पार्टी के सभी पदाधिकारी, मंत्री और विधायक संविधान की मूल आत्मा प्रस्तावना को पढ़ेंगे और शपथ लेंगे कि इसे बचाने के लिए हम काम करेंगे। इसी तरह से देशभर में 24 राज्यों की राजधानियों में बाबा साहब की जयंती को संविधान बचाओ तानाशाही हटाओ दिवस के रूप में मनाएंगे और शपथ समारोह का कार्यक्रम करेंगे।

दुनिया का सबसे मंहगा चुनाव होगा 2024 लोकसभा चुनाव भारत का

नई दिल्ली (एजेंसी)। 18वीं लोकसभा का चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव हो सकता है। दरअसल अनुमान के मुताबिक इस चुनाव में 1 लाख करोड़ रुपए का खर्च हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक 2019 में देश में चुनाव का कुल खर्च करीब 60 हजार करोड़ रूपए (8 बिलियन डालर) था और उस समय यह दुनिया का सबसे महंगा चुनाव साबित हुआ था, क्योंकि 2016 में अमरीका में हुए राष्ट्रपति चुनाव में कुल 6.5 बिलियन डालर रुपए खर्च हुए थे लेकिन 2020 के अमरीका के राष्ट्रपति चुनाव में ही अमरीका ने सबसे महंगे चुनाव के मुकाबले भारत को पछाड़ दिया, क्योंकि अमरीका में पिछले राष्ट्रपति चुनाव में 14 बिलियन डालर का खर्च हो गया। अब यदि भारत में 2024 का चुनाव का खर्च 1.16 लाख करोड़ को पार करता है, तब भारत का चुनाव दुनिया का सबसे महंगा चुनाव होगा। इस हिसाब से दुनिया के सबसे महंगे चुनाव के मामले में भारत-अमरीका में ही मुकाबला है। देश में 2019 के चुनाव में हुए कुल खर्च में चुनाव आयोग के खर्च के अलावा, राजनीतिक दलों, चुनाव में खड़े उम्मीदवारों के खर्च के अलावा अन्य प्रकार का खर्च भी शामिल है। इसमें से 24 हजार करोड़ रुपए (40 फीसदी) खर्च उम्मीदवारों ने खुद किया था जबकि राजनीतिक दलों ने 20 हजार करोड़ रुपए (35 प्रतिशत), सरकार और चुनाव आयोग ने करीब 10 हजार करोड़ रूपए (15 प्रतिशत) मीडिया सपांसर 3 हजार करोड़ रुपए (5 प्रतिशत) और अन्य प्रकार के औद्योगिक खर्चों पर 3 हजार करोड़ रुपए (5 प्रतिशत) खर्च हुआ था। बात दें कि इतना खर्च तब हुआ था जब चुनाव में उम्मीदवारों के खर्च की सीमा 70 लाख थी, यह खर्च की सीमा 2022 में बढ़ा कर 95 लाख रुपए की गई है और इसी में ही 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस लिहाज से इस चुनाव में उम्मीदवारों का खर्च ही 35 प्रतिशत बढ़ेगा यानी उम्मीदवारों का 24 हजार करोड़ रुपए का खर्च ही 32 हजार करोड़ रुपए पहुंच सकता है। पिछले 26 साल में देश में लोकसभा के छह चुनाव हुए हैं और इस बीच चुनाव का खर्च 9000 करोड़ रुपए से बढ़ कर 60 हजार करोड़ रुपए हो गया है। 1998 के चुनाव में यह खर्च 9000 करोड़ रुपए था जबकि 2019 में यह खर्च 60 हजार करोड़ रुपए हुआ। 1998 में भाजपा ने चुनाव पर करीब 20 प्रतिशत खर्च किया था जबकि 2019 में भाजपा का खर्च बढ़ कर 45 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार 2009 में कांग्रेस ने कुल खर्च का 40 प्रतिशत खर्च किया था जबकि 2019 में यह कम हो कर 10-15 प्रतिशत हो गया।

युवकों के एक समूह ने अधीर रंजन चौधरी की कार रोकी और ''वापस जाओ नारे लगाए।

कोलकाता। बहरमपुर में अज्ञात युवकों के एक समूह ने कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख अधीर रंजन चौधरी की कार रोक ली और ''वापस जाओ नारे लगाए। इस निर्वाचन क्षेत्र से फिर से चुनाव लड़ रहे चौधरी ने तृणमूल कांग्रेस को घटना के लिए जिम्मेदार ठहराया और आरोप लगाया कि यह परंपरा राज्य में सत्तारूढ़ दल ने पिछले साल नगर निकाय चुनावों में शुरू की थी। चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, ''यह और कुछ और नहीं बल्कि मुझे रोकने की एक चाल है। इसके पीछे स्थानीय तृणमूल का हाथ है। वे चाहते हैं कि लोग कांग्रेस पार्टी के लिए काम न करें। उन्होंने पिछले साल नगर निकाय चुनाव के दौरान भी ऐसा ही किया था। लोकसभा में कांग्रेस के नेता ने दावा किया कि शराब के नशे में युवकों का एक समूह उस वक्त उनके वाहन के आगे आ गया, जब वह दोपहर में चुनाव प्रचार कर घर लौट रहे थे। उन्होंने कहा, ''वे नारे लगा रहे थे - वापस जाओ, वापस जाओ!! मैं रुका और उनसे पूछा कि उनकी क्या शिकायतें हैं। शुरू में, केवल एक व्यक्ति वहां था, लेकिन फिर कई लोग आ गए। मुझे एहसास हुआ कि यह तृणमूल द्वारा आयोजित किया गया था। लेकिन वे मुझे इस तरह से नहीं रोक पाएंगे। अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि उन्होंने इस विषय की सूचना जिले के पुलिस अधीक्षक को दी है और हस्तक्षेप का अनुरोध किया है। तृणमूल ने पूर्व क्रिकेटर युसूफ पठान को चौधरी के खिलाफ चुनाव मैदान में उतारा है, जो 1999 से इस निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

लालू से नाराज आरजेडी नेता ने छोड़ी पार्टी, जेडीयू का थामा दामन

– मुलसमानों की उपेक्षा का लगाया आरोप, सिर्फ दो को दिया टिकट

पटना (एजेंसी)। लालू प्रसाद यादव की राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नाराज नेता अशफाक करीम जनता दल-यूनाइटेड (जेडीयू) में शामिल हो गए। उन्होंने राजद पर मुसलमानों के साथ भेदभाव करने का आरोप लगाया है। अशफाक को इस साल मार्च में राजद ने राज्यसभा के दूसरे कार्यकाल से वंचित कर दिया गया था और कटिहार से लोकसभा टिकट नहीं मिला। अशफाक को जेडीयू के राष्ट्रीय महासचिव संजय कुमार झा की उपस्थिति में पार्टी की सदस्यता दिलाई। इस अवसर पर पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और वरिष्ठ मंत्री विजय कुमार चौधरी समेत पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद थे। शुक्रवार को राजद छोड़ने वाले अशफाक ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इस सप्ताह की शुरुआत में राजद द्वारा 22 उम्मीदवारों की सूची में सिर्फ दो ही मुसलमानों के नाम शामिल किए गए हैं। उन्होंने कहा कि जब जाति जनगणना के नतीजे सामने आए तो समाज के सभी वर्गों को आनुपातिक प्रतिनिधित्व देने का राजद का वादा बहुत बड़ा धोखा था। ऐसी चर्चा है कि अशफाक को लालू प्रसाद यादव ने कटिहार से राजद के टिकट का आश्वासन दिया था, लेकिन यह सीट गठबंधन के सहयोगी कांग्रेस के पास चली गई। कांग्रेस ने वहां से पूर्व केंद्रीय मंत्री तारिक अनवर को अपना प्रत्याशी बना है। बिहार के मंत्री और जेडीयू के प्रदेश इकाई के पूर्व अध्यक्ष विजय कुमार चौधरी ने कहा कि अशफाक हमारी समता पार्टी के दिनों से हमारे साथ थे और उनके लिए यह घर वापसी है। चौधरी ने कहा कि अशफाक का जेडीयू में शामिल होना इस बात का सबूत है कि भाजपा के साथ हमारे पुराने गठबंधन के बावजूद हमारे नेता नीतीश कुमार पर अल्पसंख्यकों को कितना भरोसा हैं।

मोदी न होते, तो राम मंदिर का निर्माण नहीं हो पाता: राज ठाकरे

– नेताओं और कार्यकर्ता महायुति समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में करें प्रचार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने दावा किया कि केंद्र में पीएम नरेंद्र मोदी न होते, तो राम मंदिर का निर्माण नहीं हो पाता। न्यायालय के आदेश के बाद भी राम मंदिर नहीं बन पाता। राज ने अपने नेता और कार्यकर्ताओं से कहा कि जो लोग मेरी भूमिका से सहमत नहीं हैं, वे निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं। राज ठाकरे ने पत्रकारों से कहा कि मनसे नेताओं की एक सूची बना रहा है जिनसे 'महायुति' गठबंधन के नेता चुनावी समन्वय के लिए संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी, शिवसेना और एनसीपी के सत्तारूढ़ गठबंधन 'महायुति' के पक्ष में रैलियों को संबोधित करने के सवाल को टाल दिया।

पिछले दिनों राज ठाकरे ने शिवाजी पार्क से लोकसभा चुनाव में बिना शर्त भाजपा को समर्थन देने की घोषणा की थी। राज ठाकरे के इस निर्णय से कुछ कार्यकर्ताओं के पार्टी छोड़ने की खबर आई थी, जिसके बाद उन्होंने शनिवार को अपनी पार्टी के नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की और उन्हें महायुति समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार करने को कहा। राज ने कहा राम मंदिर निर्माण, धारा 370 जैसे कई अच्छे फैसले प्रधानमंत्री ने लिए हैं। उन्होंने कहा कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा देने तथा राज्य में किलों की मरम्मत समेत उनकी कुछ मांगें हैं, जिनके बारे में भाजपा को बताया जाएगा।

राज ठाकरे ने दावा किया कि यदि नरेंद्र मोदी केंद्र में नहीं होते, तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी राम मंदिर का निर्माण नहीं होता। उद्धव ठाकरे का नाम लिए बिना राज ठाकरे ने कहा कि उनकी 'आखों में पीलिया' हो गया है। राज ठाकरे ने कहा कि यदि नरेंद्र मोदी (केंद्र की सत्ता में) नहीं होते तो सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद भी राममंदिर का निर्माण नहीं हो पाता। यह लंबित मुद्दा बना रहता। इस साल 22 जनवरी को राममंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह हुआ।

भाजपा को मनसे के समर्थन पर उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी अच्छी बाते हैं, जिनकी सराहना करने की जरूरत है। एक तरफ, एक अक्षम है और दूसरी तरफ, मजबूत नेतृत्व है। इसलिए हमने नरेंद्र मोदी का समर्थन करने का फैसला लिया है। राज ठाकरे ने कहा कि यह स्पष्ट है कि गुजरात मोदी को प्यार है क्योंकि वह वहां से आते हैं, लेकिन उन्हें उसी तरह से अन्य राज्यों पर भी ध्यान देना चाहिए।

कुमाऊं मंडल की सीटों पर जीत की चाबी महिलाओं और युवाओं के हाथ में

– दो सीटों पर भाजपा–कांग्रेस में कड़ा मुकाबला

देहरादून (एजेंसी)। अल्मोड़ा को उत्तराखंड की सांस्कृतिक राजधानी भी कहा जाता है। कुमाऊं मंडल की दो लोकसभा सीटों इस बार चुनाव में जीत की चाबी महिलाओं के साथ ही युवाओं के हाथ में है। ऐसे में भाजपा हो या कांग्रेस दोनों ही पार्टियां महिलाओं और युवाओं को साधने में जुटे हैं। अल्मोड़ा लोकसभा क्षेत्र की 14 में से 6 विधानसभाएं ऐसी हैं, जहां पुरुषों के मुकाबले महिला वोटरों की संख्या अधिक है। इस बार इस सीट पर 6 लाख 50 हजार से अधिक महिला वोटर्स हैं।

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ संसदीय सीट चार जिलों अल्मोड़ा पिथौरागढ़, बागेश्वर और चंपावत जिलों में फैली हुई है। अल्मोड़ा एक पुराना जिला होने के साथ शिक्षित भी है। सैनिक बाहुल्य मानी जाने वाली इस सीट पर बहुधा राष्ट्रीय मुद्दे हावी रहते हैं। धारचूला, डीडीहाट, पिथौरागढ़, गंगोलीहाट, लोहाघाट, चंपावत, द्वाराहाट, सल्ट, रानीखेत, सोमेश्वर, अल्मोड़ा,जागेश्वर, कपकोट, बागेश्वर चौदह विस क्षेत्रों से बने इस लोकसभा क्षेत्र की पांच विधानसभा सीटों पर कांग्रेस और नौ विधानसभा सीटों पर भाजपा का कब्जा है।

भाजपा की सरकार की नीतियों से सबसे ज्यादा महिला और युवाओं को परेशानी झेलनी पड़ी है। महंगाई से जहां किचन का बजट बिगड़ गया है, वहीं युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। ऐसे में लोकसभा चुनावों में ये दोनों वर्ग कांग्रेस को मौका दे सकते हैं। हालांकि भाजपा अपने पांच किलो राशन के लाभार्थियों और महिलाओं में मोदी के क्रेज को लेकर आश्वस्त है। वहीं कांग्रेस युवा और महिलाओं की निर्णायक संख्या के मद्देनजर मानकर चल रही है।

कुमाऊं मंडल के दूसरे नैनीताल-ऊधमसिंह लोकसभा क्षेत्र में एमएसपी, मानव-वन्यजीव संघर्ष और आपदा से जूझने के अलावा पलायन, शिक्षा, स्वास्थ्य जैसी समस्याएं आम हैं। नए परिसीमन के बाद इस सीट में ऊधमसिंह नगर की नौ और नैनीताल की रामनगर छोड़कर शेष पांच विधानसभाएं आती हैं। ऊधमसिंह नगर में किसानों धान, गेहूं और गन्ने की फसल का समय से भुगतान नहीं हो पाने से परेशान हैं। भीमताल विधानसभा क्षेत्र के ओखलकांडा ब्लॉक में आज भी मरीजों को आठ से दस किलोमीटर डोली या घोड़ों से अस्पताल ले जाया जाता है या फिर 100 से 150 किलोमीटर दूर हल्द्वानी और नैनीताल ले जाना पड़ता है।

साल 2019 में भाजपा ने अजय भट्ट को नैनीताल-ऊधमसिंह नगर लोकसभा सीट से टिकट दिया था। अजय ने कांग्रेस प्रत्याशी हरीश रावत को भारी मतों से हराया था। इस बार भी भाजपा ने अजय भट्ट को ही मैदान में उतारा है। वहीं कांग्रेस ने प्रकाश जोशी को प्रत्याशी बनाया है। प्रकाश राष्ट्रीय मुद्दे मतदाताओं के बीच उठा रहे हैं साथ ही स्थानीय मुद्दों पर भी फोकस कर रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उधना रेलवे स्टेशन पर यात्रीयों की उमड़ी भीड़ को देखते हुए छह और ट्रेन चलाने का निर्णय

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सुरत, उधना रेलवे स्टेशन पर उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेन में यात्रियों की भरी भीड़ उमड़ पड़ी थी. इस घटना के बाद सुरत में बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष सी.आर. पाटिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरी घटना की जानकारी दी. बीजेपी अध्यक्ष ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, गर्मी की छुट्टियां शुरूहोने पर सुरत में रहने वाले दूसरे राज्यों के लोग अपने गृहनगर जा रहे हैं, जब एक ट्रेन उधना रेलवे स्टेशन जा रही थी, तो तीन या चार ट्रेन में जाये इतने लोग इकट्ठा हो गए थे. जिससे अफरा-तफरी मच गई और कुछ लोगों की तबीयत भी बिगड़ गई, मौके से एंबुलेंस की व्यवस्था की गई. ऐसे में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को सुझाव दिया गया कि गर्मी की छुट्टियों के कारण स्टेशन पर बड़ी संख्या में लोगों के जुटने और अव्यवस्था को देखते हुए छह और ट्रेनें बढ़ाई जानी चाहिए. इसके तुरंत बाद बात को स्वीकार करते हुए सूचना देकर सुरत से उत्तर भारत जाने वाली ट्रेनों को तुरंत शुरू कर दिया जाएगा. इस घोषणा के साथ ही उन्होंने अपील की है कि नई छह ट्रेनें शुरू हो रही हैं इसलिए अपना टिकट का इंतजाम करके ही अपने गृहनगर जाए. सिस्टम काम कर रहा है, बीजेपी कार्यकर्ता मदद कर रहे हैं. इसलिए उन्होंने सूरत में प्रांत जाने के इच्छुक लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे गलत जल्दबाजी न करें और अराजकता न फैलाएं, साथ ही रेल मंत्री को धन्यवाद भी दिया.

गौरतलब है कि उधना रेलवे स्टेशन पर यूपी-बिहार जाने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ती है. यहां से वे ट्रेन से अपने वतन जाते हैं. छुट्टियों का समय होने के कारण यात्री अपने बच्चों और परिवार के साथ घर जाने के लिए निकले थे, लेकिन हालत इतनी खराब थी कि एक ट्रेन में क्षमता से ज्यादा यात्री आ गए थे. ऐसी स्थिति से बचने के लिए पहले से ही यूपी और बिहार जाने के लिए अतिरिक्त६ ट्रेनों को जोड़ा जा रहा था, लेकिन बीते दिन स्थिति काफी गंभीर दिखी. रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म और परिसर में हजारों यात्री अपने सामान के साथ पहुंचे. हालांकि ६ अतिरिक्तट्रेनें चलाए जाने की घोषणा सामने आई है. जिससे यात्रियों को थोड़ी राहत मिलेगी.

डॉ। भीमराव अंबेडकर की १३३वीं जयंती पर प्रतिमा के पास राजनीतिक नेताओं की भीड़

सूरत लोकसभा सीट से बीजेपी और कांग्रेस दोनों उम्मीदवारों ने संयुक्तरूप से बाबा साहेब को पुष्पांजलि अर्पित की.

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डॉ। भीमराव अंबेडकर की १३३वीं जयंती के मौके पर आज सूरत शहर में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया. फिलहाल लोकसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हालात तनावपूर्ण हो गए हैं. ऐसे में ऐसे दृश्य देखने को मिले मानो आज बाबा साहेब अंबेडकर को नमन करने की शर्त लगी हो. बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने शहर के तमाम दिग्गज नेता पहुंचे. इस बीच सूरत लोकसभा के बीजेपी और कांग्रेस दोनों उम्मीदवार एक साथ नजर आए.

भाजपा कांग्रेस प्रत्याशी एक साथ दिखे बाबा साहेब अंबेडकर के जन्मदिन के अवसर पर आज रिंग रोड पर अंबेडकरजी की प्रतिमा पर श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुए। लेकिन सबसे हैरानी की बात ये थी कि वहां बीजेपी और कांग्रेस के दोनों लोकसभा उम्मीदवार एक साथ पहुंचे. साथ ही नवसारी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार भी वहां पहुंचे. सूरत लोकसभा सीट से बीजेपी प्रत्याशी मुकेश दलाल और कांग्रेस प्रत्याशी नीलेश कुंभानी एक साथ बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने पहुंचे.

राजनीतिक नेताओं का जमावड़ा नजर आ रहा है जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, कोई भी पार्टी किसी भी समुदाय को नाराज नहीं करना चाहती. बाबा साहब अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान का सभी सम्मान करते हैं।

चूंकि एक खास वर्ग के लोग बहुत बड़ी संख्या में बाबा साहेब से जुड़े हुए हैं, इसलिए राजनीतिक नेता भी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं और बाबा साहेब अंबेडकर के जन्मदिन पर उनके पास पहुंचकर, प्रतीकात्मक रूप से उनका अभिनंदन करने के लिए उनके प्रति अपना स्नेह दिखाने का मौका नहीं छोड़ते हैं।

उनके पक्ष में. चूंकि लोकसभा चुनाव करीब हैं, इसलिए राजनीतिक दल अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ सुबह-सुबह बाबा साहेब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने पहुंचे।

आधी रात को बॉयलर फटने से आग लग गई, तीन मजदूर घायल, एक की मौत

सूरत मनहर प्रोसेसिंग मिल में आग लगने से युवक झुलसा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के बमरोली इलाके में स्थित मनहर प्रोसेसिंग मिल में आधी रात को बॉयलर फटने से की एक और डाइन प्रिंटिंग मिल में आग लगने की घटना सामने आई। सूरत अग्निशमन विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक पांडेसरा रोड बमरोली स्थित मनहर प्रोसेसिंग डाई एंड प्रिंटिंग मिल में देर रात आग अचानक हुआ विस्फोट आग लगने की इस घटना में मनहर प्रोसेसिंग मिल में तेल टैंक में रिसाव के कारण अचानक विस्फोट हो गया. जिससे मिल में तेल टंकी के पास काम कर रहे चार मजदूर गंभीर रूप से झुलस गए।

जिसके चलते सभी मजदूरों को तात्कालिक इलाज के लिए पास के भारती मैया अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां आग लगने की घटना हुई. इस घटना में मिल में काम कर रहे चार कारीगर गंभीर रूप से झुलस गये. जिसमें से एक मजदूर की मौके पर ही मौत हो गई. जबकि तीन घायल कारीगरों का पास के टाइड मैया अस्पताल में इलाज चल रहा है. घटना के बाद फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

५ से ज्यादा फायर फाइटर टीमें मौके पर पहुंचीं और सूरत लगने की घटना हुई. सूरत नगर निगम के फायर कंट्रोल को दोपहर २-४२ बजे फोन पर सूचना मिली कि बमरोली रोड पर मनहर प्रोसेसिंग मिल के टैंक में तेल रिसाव के कारण आग लग गई है। घटना की जानकारी मिलने पर भेस्तान और पांडेसरा अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची. ५ से ज्यादा फायर फाइटर्स के साथ टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने की कोशिश की. ४० वर्षीय विद्याभगत को ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि अन्य ३५ वर्षीय राजेश ओम प्रकाश, ३० वर्षीय दीपू बाबरी और ४२ वर्षीय लक्ष्मण प्रसाद गंभीर रूप से झुलस गए हैं और उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। मिल में आग लगने की घटना की सूचना के बाद पुलिस का बेड़ा भी मौके पर पहुंचा और खटोदरा पुलिस ने पूरे निर्माण को लेकर आवश्यक जांच की है.

शिक्षक ने छात्रा को स्कूल तक लिफ्ट के बहाने घर ले जाकर किया दुष्कर्म

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के कतारगाम इलाके में शिक्षा जगत को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। चौकबाज़ार स्कूल के ११वीं कक्षा में पढ़ने वाली १६ साल की नाबालिग छात्रा को डांस टीचर बाइक पर स्कूल छोड़ने के बजाय अपने घर ले गया । जहां यह बात सामने आई कि शिक्षक ने छात्रा के साथ दुष्कर्म किया है। पूरा मामला तब सामने आया जब छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया था।

इस घटना को लेकर छात्र के पिता ने कतारगाम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसके आधार पर पुलिस ने २७ वर्षीय डांस टीचर संजय वनकर (निवासी, रणछोड़ नगर सोसा, कतारगाम) के खिलाफ अपहरण, बलात्कार और पॉक्सो एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। जिसमें आरोपी संजय को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने आगे बताया कि डांस टीचर स्कूल में अनुबंध के आधार पर कार्यरत है और अविवाहित है। ६ अप्रैल को छात्रा रोजाना की तरह स्कूल जाने के लिए घर से निकली थी। उस वक्त डांस टीचर संजय बाइक लेकर बापा सीताराम चौक के पास खड़ा था। जैसे ही छात्रा वहां से गुजरी तो नराधम शिक्षक ने उसे बाइक पर बैठने के लिए कहा। छात्रा ने सोचा कि स्कूल जाते समय शिक्षक मुझे भी अपने साथ ले जायेंगे। लेकिन, लालची टीचर छात्रा को स्कूल की बजाय कतारगाम स्थित अपने घर ले गया और छात्रा के साथ दुष्कर्म किया।

टीचर के ऐसे व्यवहार से छात्रा डर गई। इस घटना के कारण छात्रा ने स्कूल जाना बंद कर दिया। इसलिए जब परिवार ने उसे पूछा तो उसने शिक्षक के द्वारा किये गए दुष्कर्म के बारे में बताया। छात्रा ने पुलिस को यह भी बताया है कि शिक्षक संजय वर्ष २०२३ की दिवाली के बाद से ऐसी हरकतें कर रहा है. पीड़ित छात्र के पिता एक हीरे की फैक्ट्री में काम करते हैं।